केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450, 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आर्यावर्त मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 275 सोमवार 29 अप्रैल 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

चुनाव में उड़नदस्ते की रहेगी नजर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मतदाता की संतुष्टि के लिए नकदी, शराब या अन्य किसी वस्तु का वितरण रिश्वत है और यह एक दंडनीय अपराध है। निर्वाचन के दौरान नकदी, शराब या अन्य वस्तु के वितरण पर नजर रखने के लिए प्रत्येक पुलिस स्टेशन के अधीन उड़नदस्ता एवं स्थैतिक निगरानी टीम गठित की गई है। यह जानकारी जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अन्द्रा वामसी ने दी है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील किया है कि उड़नदस्ता द्वारा जबी से बचने के लिए कोई भी व्यक्ति निर्वाचन के दौरान रुपया 50000 से अधिक की नकदी ले जाने पर उस धन का स्रोत और उसके अंतिम प्रयोग को दर्शाने वाला समुचित दस्तावेज साथ रखें।

मतदान के लिये रिश्वत लिया तो होगी 1 वर्ष की जेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ख के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मतदान करने के लिए नकद या वस्तु रूप में कोई सामान देने या लेने पर 1 वर्ष तक की जेल की सजा तथा जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। उक्त जानकारी जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अन्द्रा वामसी ने दी है। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 171ग के अनुसार कोई व्यक्ति किसी अभ्यर्थी या मतदाता को चोट लगने की धमकी देता है, तो उसे भी एक वर्ष के कारावास या जुर्माना या दोनों से दंडित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उड़नदस्ता रिश्वत देने वालों और लेने वालों दोनों के विरुद्ध मामले दर्ज कर के विधिक कार्रवाई करेंगे।

उन्होंने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वह किसी प्रकार का रिश्वत लेने से परहेज करें और यदि कोई व्यक्ति उन्हें रिश्वत की पेशकश करता है या मतदाता को डराता या धमकाता है, तो ऐसे मामलों की जानकारी टोल फ्री नंबर 1950 पर दे। उन्होंने बताया कि निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण कंट्रोल रूम में स्थापित किया गया है। व्यय तथा आदर्श आचार संहिता संबंधित शिकायतों के लिए अलग से रजिस्टर भी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि कंट्रोल रूम नंबर 05542–247132 है। टोल फ्री नंबर 1950 के अतिरिक्त व्यय शिकायत मॉनिटरिंग सेल का नंबर 8765923622 है।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारतीय वित्त सेवा के अधिकारी आर.एल. अरुण प्रसाद को 61–बस्ती संसदीय क्षेत्र का व्यय प्रेक्षक नामित किया है, जो 29 अप्रैल को जनपद में आ जाएंगे।

शिवम को सर्वाधिक अंक मिलने पर प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। परीक्षा बेचलर इन फार्मेसी तृतीय वर्ष में शिवम अग्रहरि पुत्र बालमुकुंद अग्रहरि ने बस्ती जिले में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर अपने कालेज स्वामी विवेकानन्द कालेज आफ फार्मेसी रिठिया का नाम रोशन किया। इस सफलता पर कालेज की ओर से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। शिवम अग्रहरि की सफलता पर शिवम अग्रहरि के माता–पिता व परिजनों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष लवली ने त्याग पत्र दिया

नई दिल्ली (आभा) । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद अरविंद सिंह लवली ने घर के बाहर प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि मैंने सिर्फ अध्यक्ष पद छोड़ा है। अभी पार्टी नहीं छोड़ी है। किसी पार्टी में शामिल नहीं हूंगा। साथ ही कहा कि पीड़ा के चलते अध्यक्ष पद छोड़ा है। अभी कार्यकर्ताओं से बात करूंगा। टिकट को लेकर इस्तीफे की बात गलत है। उनके साथ कांग्रेस नेता राजकुमार चौहान एवं नसीब सिंह भी मौजूद रहे।

बता दें कि रविवार को लवली ने

अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया है। वह कई दिन से प्रदेश कार्यालय नहीं आ रहे थे। वह उत्तर पश्चिमी दिल्ली से राजकुमार चौहान को टिकट नहीं मिलने से नाराज थे। लवली ने मल्लिकार्जुन खरगे को चिट्ठी लिखकर इस्तीफा भेजा है। जिसमें उन्होंने अपनी नाराजगी की वजह बताई है।

अरविंदर सिंह लवली ने कहा, 'दिल्ली कांग्रेस इकाई उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी, जो कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार पर बनी थी। इसके बावजूद, पार्टी ने दिल्ली में 'आप' के साथ गठबंधन करने का फैसला किया। लवली ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस को सिर्फ तीन ही सीटें ही दी गईं। लवली इस बात को लेकर भी नाराज बताए जा रहे हैं कि इन तीनों सीटों में दो सीटें बाहरी व्यक्तियों को दी गई।

400 पार के नारे को भूल गई भाजपा– अखिलेश

संभल (आभा)। सपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आम चुनाव के तीसरे चरण में भाजपा को एक भी सीट न मिलने का दावा करते हुए रविवार को कहा कि जनता की भावनाओं को समझा सत्तारूढ़ दल 400 पार का नारा भूल गया है। सपा प्रमुख ने संभल में पार्टी उम्मीदवार जियाउर्रहमान बर्क के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा ने 400 पार का नारा दिया। जैसे ही दूसरा चरण समाप्त हुआ 400 पार का नारा भूल गए।

अखिलेश ने कहा कि भाजपा के लोगों को हवा का रुख पता नहीं था, इसलिए 400 पार कह रहे थे और जब दो चरणों के चुनावों में जनता की भावना समझ गए कि जनता

400 सीटें हराने जा रही है तो भाजपा अपना नारा भूल गई। सपा प्रमुख ने कहा कि पहले चरण में पश्चिम से जो हवा चली उसने भाजपा को पलटने का काम किया, उनकी सरकार को बदलने का काम किया। दूसरे चरण में भी वही दिखा, लोग भाजपा को स्वीकार नहीं कर रहे। तीसरे चरण में अब आपकी जिम्मेदारी है।

अखिलेश ने संभल से अपना रिश्ता जोड़ते हुए कहा कि इस हिस्से से लेकर हमारे घर (इटावा–मैनपुरी) तक चुनाव है। इस क्षेत्र (संभल) से नेताजी (मुलायम सिंह यादव) भी सांसद रह चुके हैं। यहां से लेकर मैनपुरी तक वोट पड़ने जा रहा है। इस चरण में मैं कह सकता हूं कि भाजपा का किसी भी लोकसभा में खाता नहीं खुलने वाला।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव 1998 और 1999 में दो बार संभल लोकसभा क्षेत्र से सांसद रह चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उन सीट की गिनती हो जहां भाजपा सबसे ज्यादा मतों से हारी हो, तो उनमें संभल संसदीय सीट का भी नाम होना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि यह चुनाव श्रद्धांजलि देने का भी चुनाव है। वहीं जिंदादिल यादों का भी चुनाव है। वह अपने लोगों के हक अधिकार के लिए हमेशा खड़े रहते थे।संभल से सपा सांसद शफीक–उर–रहमान बर्क चुनाव में पार्टी के उम्मीदवार घोषित किये गये थे।लेकिन उसी दौरान उनका निधन हो गया था। सपा अध्यक्ष ने दावा किया कि यह चुनाव संविधान मंथन का चुनाव है।

हरीश द्विवेदी का नामांकन 1 मई को: तैयारियों में जुटे कार्यकर्ता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती। जनपद में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान सातवें चरण में 25 मई को होना है। लगभग सभी पार्टियों के प्रत्याशी घोषित हो चुके है। भाजपा के टिकट पर सांसद हरीश द्विवेदी एक बार फिर बस्ती से लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे है। उनके नामांकन की तैयारियों में भाजपा जुट गई है। भाजपा कार्यालय पर डंडा झन्डा सहित अन्य प्रचार सामग्री की व्यवस्थाओ में भाजपा कार्यकर्ता लगे हुए है। सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा पूरे लोकसभा क्षेत्र के हर बूथ से कार्यकर्ता इस नामांकन में सम्मलित होने आ रहे है।

परिवर्तन चाहते हैं बस्ती के मतदाता– दयाशंकर मिश्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बसपा प्रत्याशी दयाशंकर मिश्रा ने महादेवा विधानसभा में लोगों से जनसंपर्क करते हुए कहा कि बस्ती की जनता परिवर्तन चाहती है और ये चुनाव आम कार्यकर्ताओं का चुनाव है । हम यहाँ जनता के बीच जनता की समस्याओं को समाप्त करने और लोक कल्याण की भावना को ले कर आये हैं ।

कहा कि बस्ती में एक प्रत्याशी महोदय हैं जो अपने आप को 3 लाख वोटो से विजयी घोषित कर चुके हैं लेकिन मैं आपका अपना बेटा,भाई हूँ ,मुझे आपके एक एक वोट की जरूरत है और मैं वादा करता हूँ कि यदि आप मुझे सांसद बना कर दिल्ली भेजोगे तो मैं बस्ती लोकसभा की हर समस्या को राष्ट्रीय पटल पर रखूँगा और उनका समाधान भी करूंगा । इस मौके पर बसपा के कार्यकर्ताओं के साथ ही अन्य पार्टियो के कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

संविधान और लोकतंत्र बचाने के लिये जरूर करें मतदान– राम प्रसाद चौधरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी इण्डिया गठबंधन के प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी ने सम्पर्क अभियान तेज कर दिया है। मुण्डेरवा में शहीद किसानों के प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मिल गेट के निकट आयोजित नुक्कड़ सभा को सम्बोधित करते हुये राम प्रसाद चौधरी ने कहा कि दो चरणों के मतदान के बाद अब स्पष्ट संकेत मिलने लगे हैं कि मतदाता बदलाव का मन बना चुके हैं। उन्होने सभा में उपस्थित नौजवानों, किसानों, महिलाओं का आवाहन किया कि वे बदलाव के लिये 25 मई को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें। कहा कि बेरोजगारी, मंहगाई सबसे बड़ा मुद्दा है। यह चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का है। यदि भाजपा सत्ता में पुनः आयी तो संविधान बदल देगी। संविधान ने ही गरीबों, समाज के दबे कुचले लोगों को अधिकार दिये हैं। कहा कि मतदाता लोकतंत्र को बचाने के लिये मतदान अवश्य करें।

सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि भाजपा की सरकार ने सर्वाधिक छल युवाओं के साथ किया। पेपर लीक से उनके सपनों पर तुषारापात किया। कहा कि इण्डिया गठबंधन की सरकार बनने पर रिक्त पड़े पदों पर नियुक्तियां कराने के साथ ही अग्निवीर योजना को वापस लिया जायेगा। महेन्द्रनाथ यादव ने उपस्थित लोगों का आवाहन किया कि वे धर्म के नाम पर नफरत पैदा कर भाई–भाई के बीच दीवार खड़ा कर ताकत के बल पर लोकतंत्र का अपहरण करने वाली भाजपा को सिरे से नकार दें।

नुक्कड़ सभा को विधायक राजेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, समाजवादी चिन्तक चन्द्रभूषण मिश्र, चन्द्रिका यादव, रामशंकर निराला, जावेद पिण्डारी आदि ने सम्बोधित किया। वक्ताओं ने जमीनी मुद्दे उठाते हुये भाजपा को घेरा और कहा कि भाजपा की सरकार संविधान में बदलाव करना चाहती है। इसे मतदाताओं को मिलकर रोकना होगा।

मुण्डेरवा की सभा में बृजेश मिश्र, प्रवीण पाठक, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे', राजेन्द्र चौरसिया, शेख सलाउद्दीन, राजमोहन सिंह, बैजनाथ शर्मा, सन्तोष तिवारी, अखिलेश यादव, पन्नालाल यादव, धुरचन्द्र चौधरी, उदयराज विश्वकर्मा, बंटी दूबे, कक्कू शुक्ला, मो. आरिफ, अवधेश चौधरी, मो. हारिश, राजदेव प्रसाद, भोला पाण्डेय, युनुस आलम खान, रहमान सिद्दीकी, विपिन त्रिपाठी, परशुराम यादव, ज्वाला यादव, देवेन्द्र यादव, बीरेन्द्र यादव, सुनील यादव, रवी चौधरी, बाबूराम चौधरी, लालजीत पहलवान, गुड्डू पाण्डेय के साथ के इण्डिया गठबंधन के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता, क्षेत्रीय नागरिक और बड़ी संख्या में महिलायें शामिल रहीं। नुक्कड़ सभा से पूर्व उत्साही कार्यकर्ताओं ने बरडाड में सपा प्रत्याशी राम प्रसाद चौधरी का स्वागत किया।

-इण्डिया गठबंधन के नुक्कड़ सभा में निशाने पर रही भाजपा -भाजपा ने बेरोजगार युवाओं को धोखा दिया- महेन्द्रनाथ

पूर्व विधायक जय चौबे समेत सपा, बसपा के अनेक नेता भाजपा में शामिल

लखनऊ (आभा)। भाजपा के वरिष्ठ नेता उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की उपस्थिति में रविवार को भाजपा राज्य मुख्यालय पर सपा और बसपा के वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ली। सदस्यता ग्रहण करने वालों में सपा नेता पूर्व विधायक खलीलाबाद दिग्विजय नारायण 'जय चौबे', सपा के जिला पंचायत अध्यक्ष संतकबीरनगर बलराम यादव व सपा से अध्यक्ष नगर पालिका परिषद खलीलाबाद जगत जायसवाल सहित कई नेता शामिल हैं।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में सपा से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शाहजहांपुर नीतू सिंह, सपा से विधानसभा पुवायां के पूर्व प्रत्याशी उपेन्द्र पाल सिंह, सपा संतकबीरनगर के नेताओं में सपा से जिला पंचायत सदस्य अजय शर्मा, सपा जिला उपाध्यक्ष कौशल चौधरी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख व वर्तमान ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि मुमताज अहमद, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अश्वनी गुप्ता, जिला अध्यक्ष

(प्रधानसंघ) जगदीश चौधरी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य महेन्द्र पासवान, पूर्व जिला पंचायत सदस्य दिनेश सिंह 'मन्नू', पूर्व जिला पंचायत सदस्य ब्रम्हशंकर भारती (गोस्वामी) तथा बसपा से पूर्व ब्लॉक प्रमुख सिरपत यादव ने भी समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष त्रयम्बक त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य, प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, प्रदेश मीडिया प्रभारी आदि उपस्थित थे। संचालन प्रदेश मीडिया सहप्रभारी हिमांशु दुबे ने किया।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारी योजनायें जन–जन तक पहुंची है। मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आप सभी भाजपा से जुड़ेः हैं जिसके लिए आप सभी का स्वागत एवं अभिनंदन है। आप सभी के जुड़ने से भाजपा मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि देश में गरीब, किसान, महिला व नौजवान की बेहतरी के लिए सरकार की प्रत्येक योजना समर्पित है।

ट्रक, मिनी बस की टक्कर में 7 की मौत, 20 घायल

लखनऊ (आभा)। उन्नाव–हरदोई मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रक हरदोई की ओर जा रही मिनी बस में दाहिनी तरफ से टक्कर मारते हुए निकल गया। हादसे में चालक की तरफ का बस का आधा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। घटना में चालक सहित सात लोगों की मौत हो गई है। इनमें दो महिलाएं और पांच पुरुष हैं। कई की हालत नाजुक है। हादसे में 20 लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई।

गंभीर रूप से घायल छह लोगों को कानपुर हैलट और 13 घायलों को उन्नाव जिला अस्पताल रेफर

किया गया है। एक घायल का सफीपुर सीएचसी में इलाज चल रहा है। ट्रक हरदोई से उन्नाव की तरफ जा रहा था और मिनी बस उन्नाव से हरदोई जा रही थी। बस के बगल से निकलते समय हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों वाहन चालकों ने पहले निकलने की होड़ और एक दूसरे को साइड न देने की वजह से हादसा हुआ है।

सीओ सफीपुर ऋषिकांत शुक्ला ने बताया कि ट्रक को माखी थाना पुलिस ने चालक सहित पकड़ लिया है।

पुरस्कृत किये गये मेधावी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नगर पंचायत कप्तानगंज के आदिशक्ति नगर वार्ड में स्थित माँ गायत्री इंटर कालेज नकटीदेई में वर्ष 2024 की बोर्ड परीक्षा में जिले एवं स्कूल मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र छात्राओ को गोष्ठी आयोजित कर उन्हे व उनके अभिभावकों को सम्मानित किया गया।

माँ गायत्री इंटर कालेज मे बोर्ड परीक्षा परिणाम में हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट में जनपद एवं स्कूल स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्राओ एवं छात्रों को विद्यालय द्वारा प्रमाणपत्र मैडल दे कर मेधावी छात्रों का हौसला बढाया। हाई स्कूल की छात्रा प्रतिष्ठा चौधरी ने 575 अंको से सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए जनपद मे चौथा तथा अपने स्कूल मे पहला स्थान प्राप्त किया, रेहा यादव ने 568 अंको से जिले में नौवां तथा स्कूल में दूसरा स्थान प्राप्त किया,

शिवानी उपाध्याय ने 560 अंको से स्कूल मे तीसरा स्थान, सविता वर्मा 557 अंको से चौथा स्थान, पावनी मिश्र ने 554 अंको से स्कूल में पांचवीं स्थान प्राप्त किया। इंटरमिडिएट में रीमा यादव ने 470 अंको से जनपद में पांचवा व अपने स्कूल मे पहला स्थान प्राप्त किया, खुशबु यादव ने 466 अंको से स्कूल में दूसरा स्थान, गौरी त्रिपाठी को 454 अंको से स्कूल मे तीसरा स्थान, अंशिका ओझा को, 447 अंको से चौथा स्थान तथा गायत्री दुबे को 446 अंको से स्कूल में पांचवा स्थान प्राप्त हुआ। मेधावी सम्मान एवं आशीर्वाद समारोह के दौरान प्रधानाचार्य डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने सभी छात्रों को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर शुभकामना दिया और कहा कि आगे और प्रतिस्पर्धा है लेकिन आप सभी से उम्मीद है कि आगे भी आप बेहतर करेंगे, इस दौरान बी एन मिश्र, मनोज कुमार तिवारी, विभा पाण्डेय सहित समस्त अध्यापक मौजूद रहे।

बिना एमबीबीएस डाक्टर के हो गया आरोग्य मेला, 18 मरीजों का उपचार

–राजेश उपाध्याय–

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती) । बस्ती सदर ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चिलवनियां में रविवार को आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। यह आयोजन डाक्टर अमित कुमार पाण्डेय आरबीएसके के नेतृत्व में हुआ। आरोग्य मेले में कुल 18 मरीजों का उपचार किया गया। जिसका स्वास्थ कर्मियों ने जांच करा कर आवश्यक दवाएं और सलाह दिया। इस मौके पर उपस्थित अखबार नवीशों ने आरोग्य मेले का नेतृत्व कर रहे आयुष चिकित्सक डॉक्टर अमित कुमार पांडेय से पूछा कि क्या इस मेले के आयोजन में आपको प्रतिभाग करने का अधिकार है। उन्होंने बताया कि मेले में एक एम. बी.बी.एस डॉक्टर एवं एक आयुष चिकित्सक की ड्यूटी लगती है जिसमें में वर्तमान में बतौर आयुष चिकित्सक (आ.बी. एस.के) ड्यूटी

कर रहा हूँ। वहाँ के जनमानस से पता चला कि डॉक्टर अमित कुमार पांडेय विगत कई माह से लगातार हर रविवार को आते है, इन्हें छोड़कर कोई अन्य डॉक्टर नहीं आते है।

आरोग्य मेले में मुख्य रूप से अश्वनी कुमार मिश्रा,अरुणिमा यादव,हरिश्चंद्र,यादव, मीरा देवी, अजय कुमार आदि लोग मौजूद रहे। अब सवाल उठता है कि मेले के आयोजन में यदि एमबीबीएस डॉक्टर की मौजूदगी अनिवार्य है तो महकमे के हुक्मरानों ने एमबीबीएस डाक्टर को इस आरोग्य मेले में क्यू नही तैनात किया जिस पर तमाम प्रश्न खड़े हो रहे हैं। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ विनोद कुमार ने पूछने पर बताया कि एमबीबीएस चिकित्सकों की कमी होने के कारण अन्य डॉक्टर लगाए गए हैं भविष्य में एम बी बी एस डाक्टर ही लगाए जाएँगे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 29 अप्रैल 2024 सोमवार

सम्पादकीय

असमानता और राजनीति

भारत में असमानता शुरू से ही अकादमिक विषय रही है, पर इस विषय का सियासत में अचानक गूंज उठना बहुत हद तक सुखद भी है और विचारणीय भी। कोई दोराय नहीं कि किसी सरकार की नीतियों की वजह से ही किसी देश में आर्थिक असमानता बढ़ती है और भारत में आजादी के पहले से ही घोर असमानता रही है। मगर इधर आर्थिक उदारीकरण की नीतियों के बाद आर्थिक असमानता बढ़ी है। अतरू ऐसे में आय के पुनर्वितरण की चर्चा शायद गलत नहीं कही जाएगी। इस पर हरेक पार्टी का अपना–अपना नजरिया हो सकता है। फिलहाल, सत्ता पक्ष और विपक्ष का इस मोर्चे पर परस्पर भिन्न विचार अचरज में नहीं डालता है। खासकर, कांग्रेस के घोषणापत्र के बाद यह विषय उसके विरोधियों के लिए एक हथियार बन गया है। वैसे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने इस पर सफाई दी है कि देश के जिन चुनिंदा 22 अमीरों या कंपनियों को सरकार की ओर से 16 लाख करोड़ रुपये की राहत मिली, उसमें से थोड़ी सी राशि उनसे वापस लेकर देश के 90 प्रतिशत लोगों या गरीबों में वितरित कर दी जाएगी।

मतलब, कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि आय–पुनर्वितरण का विषय चंद उद्यमियों तक सीमित है, जिनसे धन वापस लेकर गरीबों में बांटा जाना है। काश! यह विषय वाकई गंभीर विमर्श का विषय बन पाता। दरअसल, हमारे देश में तमाम राजनीतिक पार्टियां बड़े उद्यमियों या बड़ी कंपनियों से चंदा लेती हैं, तो स्वाभाविक है, उनसे बहुत कड़ाई की उम्मीद नहीं की जा सकती। कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का उदाहरण तो हमारे सामने है। सरकार सीएसआर के तहत कंपनियों के मुनाफे का एक छोटा हिस्सा वसूलना चाहती थी, पर कंपनियां इसके लिए तैयार नहीं हुईं। तब कंपनियों को ही कहा गया कि वे मुनाफे का करीब दो प्रतिशत हिस्सा समाज–कल्याण पर स्वयं खर्च करें और सरकार को केवल सूचना दे दें। हमारे देश में भले ही लोक–कल्याण की राजनीति होती है, पर देश मूलतरू पूंजीवादी स्वभाव रखता है। ऐसे में, साल 2000 के बाद भारत में असमानता तेजी से बढ़ रही है। एक प्रतिशत सबसे अमीर लोगों के पास देश की 22 प्रतिशत से ज्यादा आय और 40 प्रतिशत से ज्यादा संपत्ति है। एक विकासशील देश में ऐसी असमानता निश्चित रूप से राजनेताओं का प्रिय विषय बने, तो इससे देश को लाभ होगा। आगामी सरकारों को देर–सबेर यह मुद्दा वाकई गंभीरता से उठाना पड़ेगा, इस पर कोरी राजनीति देश के किसी काम नहीं आएगी।

सामाजिक असमानता तब होती है जब किसी समाज में संसाधनों को असमान रूप से वितरित किया जाता है जो व्यक्तियों की सामाजिक रूप से परिभाषित श्रेणियों की तर्ज पर विशिष्ट पैटर्न उत्पन्न करते हैं। ऐसा आमतौर पर आवंटन के मानदंडों के माध्यम से होता है। यह व्यक्तियों के बीच लैंगिक अंतर पैदा करता है और समाज में महिलाओं की पहुँच को सीमित करता है।ख्1, समाज में सामाजिक वस्तुओं तक पहुँच की विभेदक प्राथमिकता शक्ति, धर्म, आपसी संबंध, प्रतिष्ठा, नस्ल, रूप, लिंग, आयु, मानव कामुकता और वर्ग द्वारा लाई जाती है। सामाजिक असमानता आमतौर पर परिणाम की समानता की कमी को दर्शाती है, लेकिन वैकल्पिक रूप से इसे अवसर तक पहुँचने की असमानता के संदर्भ में अवधारणाबद्ध किया जा सकता है।

ठीक इसी तरह विरासत कर का मुद्दा भी अचानक उभर आया है। विरासत कर अमेरिकी अर्थव्यवस्था का एक पहलू है, जहां किसी अमीर व्यक्ति के निधन के बाद उसकी संपत्ति का पूरा हिस्सा उत्तराधिकारी तक नहीं जाता है, करीब 55 प्रतिशत हिस्सा सरकार ले लेती है। सच्चे पूंजीवादी देशों में शेयर की भावना प्रबल होती है, जबकि कथित क्रोनी कैपिटलिज्म में कमाई को लोग शुद्ध रूप से निजी पुरुषार्थ मानते हैं। यह संजीदा विषय है, भारत में इसकी चर्चा लोगों को नाराज कर सकती है, लेकिन यह विषय इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने कभी उठाया था और आज उनकी निंदा हो रही है। कांग्रेस ने उनकी टिप्पणी से पल्ला झाड़ लिया है, पर उसे सियासी नुकसान हो सकता है। भाजपा ने इसे मुद्दा बना लिया है। हालांकि, सियासत अक्सर समस्याओं के बखान में ज्यादा खर्च होती है, क्योंकि समाधान के रास्ते लंबे होते हैं, पर ये रास्ते देर–सबेर तय करने पड़ेंगे।

जंग में उलझी दुनियां और हथियार

–ललित गर्ग–

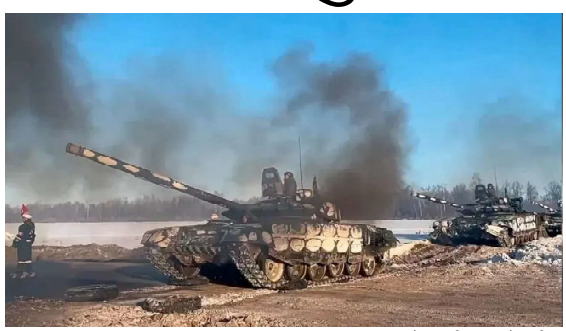

शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च, शस्त्रीकरण एवं घातक हथियारों की होड़ किसी खतरे की घंटी से कम नहीं। शस्त्रीकरण के भयावह दुष्परिणामों से समूचा विश्व भयाक्रांत है, हर पल आणविक हथियारों के प्रयोग को लेकर दुनिया डर के साये में जी रही है। इसीलिये आज अयुद्ध, निशस्त्रीकरण एवं शांति की आवाज चारों ओर से उठ रही है। शक्ति संतुलन के लिये शस्त्र–निर्माण एवं शस्त्र संग्रह की बात से किसी भी परिस्थिति में सहमत नहीं हुआ जा सकता। क्योंकि इससे अपव्यय हो होता ही है, साथ ही किसी भी गलत हाथों से दुरुपयोग होने की बहुत संभावनाएं रहती है। ताजा घटनाक्रम को देखें तो एक ओर रूस और यूक्रेन आमने–सामने हैं, वहीं दूसरी तरफ इजरायल और ईरान के बीच तल्खी भी चरम पर है। चीन और ताइवान के बीच भी रह–रह कर युद्ध के बदल मंडरा रहे हैं। ऐसे माहौल में यह सवाल भी गूंजना स्वाभाविक है कि क्या सचमुच दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते हुए घातक हथियारों के उपयोग की प्रयोगभूमि बन रही है? सवाल दूसरे ओर भी हैं। स्टॉकहोम इन्टरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की हथियारों पर आयी ताजा रिपोर्ट ऐसे ही सवाल खड़े कर रही है। इसका संतोषजनक जवाब शायद ही मिले क्योंकि दुनिया सीधे–सीधे दो खेमों में बंट गई है।

स्टॉकहोम की रिपोर्ट के आंकड़े चौंकाने वाले ही नहीं, डराने वाले हैं। शांति के तमाम उपायों के बीच दुनियाभर में सैन्य खर्च का बढ़ना एवं नये–नये हथियारों का बाजार गरम होना, चिन्ताजनक है। रिपोर्ट में खास बात यह है कि दुनिया में सर्वाधिक सैन्य खर्च करने वाले देशों में भारत चौथे नंबर पर बरकरार है। शांति एवं अहिंसा की भूमि पर हथियारों का जमावड़ा उसकी कथनी एवं करनी के भेद को उजागर कर रहा है। ये सवाल स्वाभाविक है कि जब प्रत्येक देश शांति बनाए रखने की वकालत करता है फिर हथियारों की होड़ लगातार क्यों बढ़ रही है? भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार छ्यआयातक देश बन चुका है। स्टॉकहोम की ओर से जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। भारत ने बीते पांच साल में दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार खरीदे हैं। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यूरोप का हथियार आयात 2014–18 की तुलना में 2019–23 में लगभग दोगुना बढ़ा है, जिसके पीछे रूस–यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। वहीं, इसके अलावा पिछले पांच वर्षों में सबसे ज्यादा हथियार एशियाई देशों ने खरीदे हैं। इस लिस्ट में रूस–यूक्रेन का युद्ध देश के रक्षा निर्यात को काफी प्रभावित किया है। इस कारण से पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। तो वहीं, अमेरिका पहले और फ्रांस दूसरे नंबर पर है।

पिछले 25 सालों में पहली बार, संयुक्त राज्य अमेरिका एशिया और ओशिनिया का सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता रहा। अमेरिका की हथियारों की होड़ एवं तकनीकीकरण की दौड़ पूरी मानव जाति को ऐसे कोने में धकेल रही है, जहां से लौटना मुश्किल हो गया है। अब तो दुनिया के साथ–साथ अमेरिका स्वयं ही इन हथियारों एवं हिंसक मानसिकता का शिकार है। अमेरिका दुनिया पर आधिपत्य स्थापित करने एवं अपने शस्त्र कारोबार को पनपाने के लिये जिस अपसंस्कृति को उसने दुनिया में फैलाया है, उससे पूरी मानवता कराह रही है, पीड़ित है। अमेरिका ने नई विश्व व्यवस्था (न्यू वर्ल्ड आर्डर) की बात की है, खुलेपन की बात की है लगता है "विश्वमानव" का दम घुट रहा है और घुटन से बाहर आना चाहता है। विडम्बना देखिये कि अमेरिका दुनिया का सबसे अधिक शक्तिशाली और सुरक्षित देश है लेकिन उसके नागरिक सबसे अधिक असुरक्षित और भयभीत नागरिक हैं। वहां की जेलों में आज जितने कैदी हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं। ऐसे कई वाकये हो चुके हैं कि किसी रेस्तरां, होटल या फिर जमावड़े पर अचानक किसी सिरफिरे ने गोलीबारी शुरू कर दी और बड़ी तादाद में लोग मारे गए। 2014 में अमेरिका में हत्या के कुल दर्ज करीब सवा चौदह हजार मामलों में अड़सठ फीसद में बंदूकों का इस्तेमाल किया गया था।

एक तरफ अमरीका और उसके सहयोगी नाटो देश हैं तो दूसरी तरफ रूस–चीन का गठजोड़ है। तटस्थ रहने वाले देश भी गाहे–बगाहे अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी खेमे की तरफ झुकाव प्रदर्शित करते रहे हैं। ऐसे में आखिरी उम्मीद संयुक्त राष्ट्र ही रह जाता है। जबकि संयुक्त राष्ट्र की शक्तियां एवं उद्देश्य कोरे दिखावे के हैं, समूची दुनिया इससे वाकिफ है। वह ऐसे किसी भी संकट में शांति प्रस्ताव पारित कर अपनी जिम्मेदारियों से इतिश्री कर पला झाड़ लेता है। वह न तो रूस–यूक्रेन के संघर्ष में और न ही इजरायल–फिलिस्तीन संघर्ष रोकने में कोई सार्थक भूमिका अदा कर पा रहा है। उसके कड़े से कड़े फैसले भी आखिर में महाशक्तियों के वीटो के सामने हथियार डाल देते हैं। दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अस्तित्व में आया संयुक्त राष्ट्र कहने को तो दुनिया के देशों का सबसे बड़ा मंच है पर युद्धों को रोकने में उसकी भूमिका नगण्य है। ऐसे में दुनिया में बढ़ते हथियारों की होड़ एवं युद्ध की संभावनाओं को आखिर कौन–कैसे–किसको रोके? जाहिर है, ऐसी परिस्थितियों में तो हथियारों की होड़ बढ़ेगी ही। अमरीका एक तरफ युद्ध की तरफ बढ़ रहे देशों से शांति की अपील करने में सबसे आगे रहता है। लेकिन दूसरी तरफ अमरीकी हथियार कंपनियां तमाम देशों को खरबों रुपए के हथियार बेच रही हैं। इन कंपनियों के लिए तो युद्धकाल ही स्वर्णकाल होता है। ऐसे दौर में जब अधिकांश देश शिक्षा, रोजगार व सेहत के मोर्चे पर संकटों का सामना कर रहे हैं, हथियारों की इस होड़ को रोका ही जाना चाहिए।

रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भीषणतम तबाही एवं सर्वनाश का कारण बनता दिख रहा है। रूस द्वारा परमाणु हथियारों के इस्तेमाल किये जाने एवं यूक्रेन के द्वारा 'डर्टी बम' का इस्तेमाल किये जाने की धमकियां, दुनिया के लिये डर का कारण बन रही है। भयंकर विनाश की आशंकाओं के बीच समूची दुनिया सहमी हुई है। यदि परमाणु हथियारों का उपयोग होता है तो यह मानवता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ होगा एवं दुनिया को अशांति की ओर अग्रसर करने वाला होगा। अब परमाणु हथियारों के इस्तेमाल का खतरा इसलिए बढ़ गया है कि यूक्रेन को इतने लंबे समय से झुकता न देख रूस का अहं चोट खा रहा है। हालांकि परमाणु हथियारों के दुष्परिणामों से दोनों देश अनजान नहीं हैं। इस युद्ध को चलते लंबा वक्त हो गया। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति–संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने जैसा है। ऐसे युद्ध का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देगा, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने का भी बड़ा कारण बनेगा।

यूक्रेन और रूस में शांति का उजाला करने, अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव करने के लिये भारत ने लगातार शांति प्रयास किये हैं। लेकिन प्रश्न है कि दुनिया को अहिंसा, अयुद्ध एवं शांति का सन्देश देने वाला भारत क्यों हथियारों की दौड़ में शामिल है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध एवं हथियारों की विभीषिका से मुक्ति दिलाना आवश्यक है। युद्धरत देशों में शांति स्थापित कर, उन्हें अभय बनाकर, युद्ध–विराम करके विश्व को निर्भय बनाना चाहिए। निश्चय ही यह किसी एक देश या दूसरे देश की जीत नहीं बल्कि समूची मानव–जाति की जीत होगी।

यथार्थ यह है कि अंधकार प्रकाश की ओर चलता है, पर अंधापन मृत्यु–विनाश की ओर। लेकिन रूस ने अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य का अहसास एक गलत समय पर गलत उद्देश्य के लिये कराया है। इस युद्ध से होने वाली तबाही रूस–यूक्रेन की नहीं, बल्कि समूची दुनिया की तबाही होगी, क्योंकि रूस परमाणु विस्फोट करने को विवश होगा, जो दुनिया की बड़ी चिन्ता का सबब है। बड़े शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को इस युद्ध को विराम देने के प्रयास करने चाहिए। लेकिन प्रश्न है कि जो देश हथियारों के निर्माता है, वे क्यों चाहेंगे कि युद्ध विराम हो। जब तक शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों की शस्त्रों के निर्माण एवं निर्यात की भूख शांत नहीं होती तब तक युद्ध की संभावनाएं मैदानों में, समुद्रों में, आकाश में तैरती रहेंगी, इसलिये आवश्यकता इस बात की भी है कि जंग अब विश्व में नहीं, हथियारों में लगे।

बिगड़े पर्यावरण से जीवन पर गहराता संकट

–अरुण मायरा–

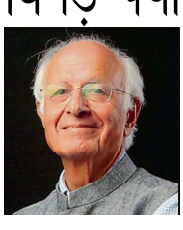

'ग्रेट इंडियन बस्टर्ड' (तिलोर) नामक पक्षी का वजूद बचाए रखने के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त रहने को मानव के मूलभूत अधिकार जितना दर्जा दिया गया है। इस निर्णय ने नीति–निर्माताओं एवं अक्षय ऊर्जा तंत्र विकसित करने वाले निर्माताओं को विस्मित किया है। उनका कहना है कि न्यायाधीश वैज्ञानिक विशेषज्ञों की सलाह को दरकिनार कर रहे हैं और इससे जलवायु परिवर्तन को दुरुस्त करने हेतु बनाए जाने वाले तंत्र की स्थापना में देरी होगी। अदालत ने माना है कि जलवायु परिवर्तन अनचाहे क्षेत्रों में भी न्यायशास्त्र की दखल करवा रहा है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से वजूद पर बने संकट को पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और बेढंगे विज्ञान के मौजूदा आदर्शों द्वारा समझा और सुलझाया नहीं जा सकता।

पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में, प्राकृतिक संपदा इसके मालिक की पूंजी है। राजा और जमींदार भूमि मालिक होते हैं और उनके इलाके की तमाम जलीय, वनीय और मत्स्य संपदा, पशु–पक्षी तक उनकी संपत्ति हैं। उनकी भूमि पर रह रहे और काम करने वाले नौकर या दासों द्वारा हुई उत्पादकता या पैदावार के मालिक भी वही हैं। जो मालिक अपनी मालिकाना भूमि पर घर बनाकर रहते हैं और लोगों से मेल–जोल रखते हैं, जहां उनके नौकर–चाकर पसीना बहाते हैं, वे अपनी निगरानी में वनों और फसलों को फलते–फूलते स्वयं देख सकते हैं। परंतु जो जमींदार अन्यत्र रहते हैं उन्हें कोई परवाह नहीं होती। उन्हें तो केवल मुनाफे से मतलब है फिर चाहे भूमि सूखाग्रस्त हो या बाढ़ग्रस्त, न ही नौकरों की मुश्किलों से कोई सरोकार होता है।

वस्तु मंडियों का उदभ्व, जहां पर लाए गए पशु, खेतों में उगी फसलें, लकड़ी और खनिज इत्यादि को, व्यापारियों द्वारा तय भावों पर, मुद्रा के लेन–देन से, खरीदा–बेचा जाता है, यह ढंग प्राकृतिक पूंजी को वित्तीय पूंजी में तब्दील करता है। वित्तीय बाजारों ने पूंजीपतियों का नया वर्ग तैयार कर दिया, जिन्हें जमीनी हकीकतों की जानकारी देहात में न बसने वाले जमींदारों से भी कम होती है। वे दुनिया की स्थिति का आकलन तालिकाओं (चार्ट) या डाटा से करते हैं कि किस वस्तु या शेयर का भाव मंडियों और स्टॉक बाजारों में ऊपर चढ़ा या गिरा। जब देहात से निकलकर कोई बंदा कारखानों में बतौर मजदूर काम करने लगता है तो वहां उसका मेहनताना काम के घंटों और इस दौरान दिखाई कारगुजारी के मुताबिक मिलता है। कारखाने के मालिक के लिए उसका कौशल और श्रम भी एक खरीदने लायक वस्तु भर है।

अर्थ–व्यवस्था और न्याय–शास्त्र में जायदाद पर हक आदिकाल से एक अधिकार है। मानवाधिकार को मान्यता तो कहीं बहुत बाद में जाकर मिली, जिसकी प्राप्ति राजनीतिक आंदोलन–अधिकांशतः हिंसा के बाद हुई। उद्देश्य था दासता खत्म करना, उचित मजदूरी पाना और काम करने के लिए सुरक्षित माहौल बनवाना। 'गिग वर्क' व्यवस्था श्रम को वस्तु में बदलने का 21वीं सदी का एक तरीका है, जिसमें केवल जरूरत पड़ने पर कामगार की सेवाएं लेना, जो काम हुआ उसी का मेहताना देना और अन्य किसी किस्म की कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं होती, यह व्यवस्था मालिकान को तो खूब रास आती है लेकिन आम लोगों के लिए खराब है।

गारेट हार्डिन की 'ट्रेजेडी ऑफ द कॉमन्स' नामक थ्योरी निजीकरण की विचारधारा को रेखांकित करती है। इस विचार या वाद में, जो सार्वजनिक संपत्ति साझी होती है उसकी देखभाल की जिम्मेवारी कोई नहीं उठाता। अतएव, सार्वजनिक और साझी संपत्ति को निजी हाथों को सौंप दिया जाए क्योंकि वे अधिक मुनाफा बनाने की चाहना से प्रेरित होकर अपने–अपने हिस्से का प्रबंधन अच्छी तरह करेंगे। वैश्विक पर्यावरण, जो कि सबका साझा है, उसको पहुंचा नुकसान विश्व–स्तरीय उभयनिष्ठ संकट बन गया है। इसका हल संपत्ति का आगे निजीकरण करके नहीं निकल सकता। 'वैश्विक साझेदारी का वायदा' ध्येय की प्राप्ति को प्रबंधन के नए सिद्धांतों की जरूरत है।

फ्रांसिस बैकॉन ने 17वीं सदी में यूरोपियन ज्ञानोदय के जन्म पर गर्व करते हुए कहा था कि अब विज्ञान मनुष्य को बेलगाम प्रकृति पर नियंत्रण पाने की ताकत प्रदान करेगा। भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव–विज्ञान में हुई नवीनतम खोजों ने मानव के पदार्थवादी फायदे हेतु पृथ्वी की संपदा का दोहन करने के ताकतवर औजार प्रदान किए जिसके चलते तकनीकी रूप से विकसित राष्ट्रों के नागरिकों का उच्च जीवन स्तर बाकियों के लिए ईर्ष्या बना। लेकिन अतिशयी दोहन ने पृथ्वी की सेहत को नुकसान पहुंचाया है। तकनीकी श्रेष्ठता के दर्प से चूर मानव ने हमारे ग्रह के पर्यावरण संतुलन और लोगों के आपसी सौहार्द की सततता को नष्ट कर डाला।

आधुनिक विज्ञान ने जटिल प्राकृतिक तंत्र को छोटी–छोटी श्रेणियों में बांटकर, हरेक के लिए विशेषज्ञता आधारित विज्ञान का विकास करना शुरू किया ताकि छोटी से छोटी बारीकी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी हो। किंतु यह तरीका अंधों द्वारा हाथी की व्याख्या करने वाली कहानी जैसा है। समग्रता के परिपेक्ष्य में कोई नहीं देख रहा। आधुनिक दवा खोजकर्ताओं ने दवाएं और शरीर के विभिन्न अंगों को दुरुस्त करने के लिए सर्जरी के बकमाल तरीके खोजे हैं। किंतु उपचार विधि में अंतर्निहित दुष्परिणामों से प्रभावित हुए अन्य अंगों से रोगी की हालत और बिगड़ भी जाती है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए, पूरे शारीरिक तंत्र और मानसिकता की समझ रखने वाले चिकित्सक होना लाजिमी है।

पिछली सदी में अर्थतंत्र का सरोकार बाकी सामाजिक विज्ञान से टूट गया, हर कोई अपनी–अपनी विशेषज्ञता वाले कूपों में समा गया। सकल घरेलू उत्पादक बढ़ाने के वास्ते अर्थशास्त्री प्राकृतिक एवं मानव संसाधनों पर ध्यान केंद्रित करने लगे। अर्थशास्त्रियों को यह तो पता है कि आर्थिकी का आकार कैसे बढ़े किंतु वृद्धि युक्त अर्थव्यवस्था में सबका हिस्सा कैसे सुधरे और प्राकृतिक स्रोतों की सततता बरकरार रहे, यह इल्म नहीं है।

आधुनिक वैज्ञानिक रुख को उन शक्तियों को समझ नहीं है जो परस्पर रूप से पैदा होती हैं और जिनके बीच कारकों और प्रभावों को लेकर चक्रीय नाता है। वे अर्थशास्त्री जो मानव विकास सूचकांक में सुधार लाने के हेतु स्रोतों की वृद्धि करने से पहले उच्च सकल घरेलू उत्पाद बनाने की वकालत करते हैं और जिनके लिए प्राकृतिक स्रोतों की सततता कायम रखना बाद की बात है, वे यह देखने में असफल हैं कि आर्थिक वृद्धि के लिए मानव विकास एवं प्राकृतिक स्रोत की सततता सबसे पूर्व–शर्त और नींव रही है। मिट्टी, जल तंत्र और वनस्पति, पशु, पक्षियों एवं कीटों की विभिन्न प्रजातियों सहित मनुष्य भी प्रकृति के जटिल ढांचे का एक हिस्सा मात्र है। सततातापूर्ण विकास के लिए सबकी भलाई संरक्षित होना जरूरी है। संरक्षणवादी जो व्यवस्था के केवल एक हिस्से पर ही ध्यान केंद्रित किए हुए हैं, वे या तो अधिक हरियाली की वकालत करते हैं या फिर किसी एक प्रजाति को बचाने की जैसे कि बाघ।

भारतीय रेल के सपने और सच

–तनवीर जाफरी–

भारतीय रेल मंत्रालय लोकलुभावन विज्ञापन जारी कर अपनी छवि गढ़ने की कवायद में जुटा हुआ है। वंदेभारत श्रेणी की अलग अलग दिशाओं को जाने वाले एक एक रैक को प्रधानमंत्री द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया जाना और इन उद्घाटन समारोहों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शिरकत के चलते इस इवेंट मैनेजमेंट पर जनता के करोड़ों रुपये खर्च करना हो या देश के कई रेलवे स्टेशंस का सौंदर्यीकरण या उनका विस्तार करना हो या स्टेशन के मुख्य द्वार पर ऊँचे ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज स्थापित करना हो, इनमें से किसी बात का सम्बन्ध सामान्य रेल यात्रियों को मिलने वाली सुविधाओं से हरगिज नहीं है। रेल यात्री को सबसे पहले सुरक्षित रेल यात्रा की दरकार है। समय पर ट्रेनों का आवागमन रेल यात्रियों की प्राथमिकताओं में एक है। प्रत्येक यात्री को आरक्षण मिले,उसकी वेटिंग कन्फर्म हो,स्वच्छ वाशरूम व वाशबेसिन,रेल से लेकर प्लेटफॉर्म तक यात्रियों के सामान की सुरक्षा आदि यात्रियों की पहली जरूरतें हैं। रेल मंत्रालय द्वारा अपनी पीठ थपथपाने वाले विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित करा देने से रेल यात्रियों का क्या भला होगा? रेल स्टेशन के सौंदर्यीकरण के जो निर्माण कार्य चल भी रहे हैं उनकी गुणवत्ता देखकर ही पता चलता है कि 'खूब खाया और खिलाया' जा रहा है।

पहले रेल यात्री सुरक्षित व आरामदेह यात्रा की आस में ए सी के तृतीय या द्वितीय श्रेणी में आरक्षण कराकर यात्रा किया करते थे। परन्तु अब जैसे जैसे सरकार ट्रेन में सामान्य श्रेणी व स्लीपर क्लास डिब्बों की संख्या कम कर ,ए सी कोच बढ़ाती जा रही है वैसे वैसे स्लीपर व सामान्य श्रेणी के यात्रियों की समस्याओं में इजाफा होता जा रहा है। हालात तो अब ऐसे हो रहे हैं कि स्लीपर क्लास में वेटिंग टिकट कन्फर्म न हो पाने वाले यात्री हों या सामान्य श्रेणी यात्री, अब वे सीधे ए सी क्लास रुख करते हैं। वे टिकट निरीक्षक को कुछ 'नजराना' थमा कर स्वयं को वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करने के लिये अधिकृत यात्री मान लेते हैं। उसके बाद ए सी कोच और उसके अधिकृत यात्रियों को जिस दुर्दशा का सामना करना पड़ता है उसकी तो कल्पना ही नहीं की जा सकती। भारतीय रेल इतिहास में वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों की ऐसी दुर्दशा पहले कभी नहीं देखी गयी।

गत 15 अप्रैल को अमृतसर से जयनगर जाने वाली ट्रेन संख्या 14650 के लगभग सभी ए सी कोच खासकर कोच संख्या ड1 ऐसी दुर्व्यवस्था का शिकार था कि पूरे डिब्बे में प्रवेश द्वारा व वाशरूम से लेकर कोच के भीतर पूरी गैलरी में यहाँ तक की साइड की बर्थ के बीच में भी अनधिकृत यात्री खचाखच भरे हुए थे। वातानुकूलित श्रेणी के अधिकृत यात्रियों का शौचालय या वाश बेसिन तक पहुंचना असंभव था। अनधिकृत यात्रियों का केवल कोच की गैलरी या कोच के बाहरी हिस्से पर ही नहीं बल्कि शौचालय तक में पूरा कब्जा था। अम्बाला से लेकर शाहगंज तक यानी शाम लगभग 6 बजे से लेकर अगले दिन 1 बजे तक कोच की दुर्दशा का यही आलम था। कभी टिकट निरीक्षक किसी यात्री को थप्पड़ लगाता दिखाई दिया तो कभी किसी यात्री से पैसे ऐंठते। सारी रात कोच के आरक्षित अधिकृत यात्री घुसपैठी यात्रियों से लड़ते झगड़ते रहे।आरक्षण होने के बावजूद कोई भी यात्री सारी रात सो नहीं सका। कई यात्रियों ने चलती ट्रेन में ही फोन कर शिकायत भी दर्ज की। मुरादाबाद में एक महिला पुलिस चीखती चिल्लाती बड़ी मुश्किल से कोच में घुसी और उन बर्थ पर गयी जहाँ से शिकायत की गयी थी। वह महिला पुलिस बजाये फालतू सवारियों को नीचे उतारने के शिकायतकर्ता से यह कहती सुनी गयी कि श्आइये मैं आपको वाशरूम तक पहुंचा देती हूँश्। टिकट निरीक्षक भी अत्यधिक भीड़ देख अपना वसूली मिशन पूरा कर दुबारा डिब्बे में ही मुड़कर नहीं आया।

गैस सिलेंडर से लगी आग, दो दर्जन से अधिक घर जलकर राख, एक और घटना में जली सौ बीघा फसल

संवाददाता–बहराइच। तहसील कैसरगंज के क्षेत्र स्थित गोडहिया नंबर दो में रविवार की दोपहर गैस सिलेंडर से आग लग गई। देखते ही आग ने विकराल रूप धारण कर आस–पास के दो दर्जन से अधिक घरों को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर पंहुची अग्निशमन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। अग्निकांड में एक दर्जन से अधिक घर में रखा खाद्यान्न, नगदी व अन्य घरेलू समाना जलकर राख हो गए। करीब दस लाख से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। एसडीएम की अगुवाई में राजस्व टीम ने घटना स्थल पर पंहुचकर नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है। कैसरगंज के गोडहिया नंबर दो में रविवार दोपहर गांव निवासी बबलू के घर में सिलेंडर के गैस रिसाव के चलते अचानक आग लग गई। तेज हवा चलने के चलते आग ने विकराल रूप धारण करते हुए आस–पास के घरों को भी अपने आगोश में ले लिया। करीब दो दर्जन से अधिक घर धूं–धूंकर जलने लगे। अग्निकांड की घटना में गांव निवासी रामतेज, नंदकिशोर, ननकू, सुकई, संजय, बबलू, राधेश्याम, कुवरि, अशर्फी, मनोरथ, कल्लू, मगन, रामफल, नौमा लाल, पेशकार, कमलेश, विनोद, उमेश, सुनील, जगत, रामकुमार, नीरज, प्रमोद, बनवारी, सुजंन, प्रहलाद, पप्पू आदि के मकान में रखे घरेलू सिलेंडर, खाद्यान्न, नगदी समेत अन्य घरेलू सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। सूचना पाकर मौके पर पंहुची अग्निशमन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

अग्निकांड की घटना में करीब दस लाख से अधिक का नुकसान बताया जा रहा है। घटना की सूचना पाकर राजस्व की टीम के साथ मौके पर पंहुचें एसडीएम पंकज दीक्षित ने अग्निकांड पीड़ितों को ढांढस बंधाते हुए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बलराम यादव को पीड़ितों को भाजन आदि की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। एसडीएम ने पीड़ितों को शीघ्र ही अहेतुक सहायता दिलाने का आश्वासन देते हुए लेखपाल को तत्काल नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है।

विकास खंड नवाबगंज के ग्राम पंचायत सोरहिया के सहजरामपुरवा व गणेशपुर के बीच सिवान गांव लगी फसल में अज्ञात कारणों से रविवार की दोपहर अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने आस–पास फसलों को भी अपने आगोश में ले लिया। सूचना पाकर मौके पर पंहुची अग्निशमन व पुलिस की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया। इस दौरान अग्निकांड की घटना में सौ बीघा फसल जलकर राख हो गई। घटना स्थल पर राजस्व की टीम ने मौके पर पंहुचकर नुकसान का आंकलन शुरू कर दिया है।

तेंदुए ने काट दिया बकरी का गला, बाल बाल बची बालिका

संवाददाता–श्रावस्ती। सोहेलवा जंगल से सटे गांवों के लोगों में तेंदुए की दहशत है। जंगल से निकल तेंदुवा आए दिन शिकार के लिए आबादी क्षेत्र में आ जाता है। रविवार सुबह तेंदुए के हमले में एक बकरी की मौत हो गई वहीं बकरी चरा रही बालिका बाल बाल बच गई। सिरसिया थाना क्षेत्र में स्थित गब्बापुर गांव पूर्वी सोहेलवा जंगल से सटा बसा है। रविवार सुबह घुरहू पुत्र रामफल की 10 वर्षीय पुत्री संगीता देवी गांव के बाहर बकरी चराने गई थी। वह गब्बापुर से रामपुर बांध को जाने वाले मार्ग पर स्थित फार्म के पास बकरी चरा रही थी। इस दौरान सड़क किनारे झाड़ियों में तेंदुवा छिपा बैठा था। अचानक तेन्दुवा झाड़ियों से निकलकर बकरी पर हमलावर हो गया और अपने जबड़े से बकरी का गला काट दिया। तेन्दुए को देख संगीता जोर जोर से चीखने लगी। बालिका की चाख सुनकर आस पास खेतों में काम कर रहे लोग दौड़ पड़े। लोगों को आता देख तेंदुवा बकरी को छोड़कर जंगल की ओर भाग निकला। वहीं बकरी की मौत हो गई। संगीता महज दो कदम की दूरी पर ही खड़ी थी। गनीमत रही कि तेन्दुवा बालिका पर हमलावर होता उससे पहले ही लोग मौके पर पहुंच गए थे। लोगों ने बताया कि एक दिन पहले शनिवार को दिन में ही इसी ग्राम पंचायत के मजरा रामपुर पसियनपुरवा में तेन्दुवा जगतराम के घर में घुस गया था। लोगों के शोर मचाने के बाद वह मौके से भाग खड़ा हुआ था। बीते छह अप्रैल की रात सिरसिया थाना क्षेत्र के बेचईपुरवा में तेन्दुए ने विजय कुमार पुत्र हरीद्वार के पड़वे पर हमला किया था। लाठी डंडे के साथ दौड़े लोगों को देखकर तेन्दुवा पड़वे को ले जाने में नाकाम हो गया था और छोड़कर मौके से फरार हो गया था। लेकिन पड़वे की मौत हो गई थी। तेन्दुवा जंगल से सटे गांवों में दहशत का पर्याय बना हुआ है। आए दिन किसी न किसी गांव में तेन्दुए की आमद रहती है।

स्मृति ईरानी ने रामलला का दर्शन कर, लिया जीत का आशीर्वाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अमेठी लोकसभा से सांसद चुनकर लोकसभा पहुंची और केंद्रीय मंत्री बनी स्मृति ईरानी पहली बार नामांकन के पहले रामलाला के दरबार पहुंची और अपनी नैया पार लगाने की गुहार लगाई इसके पहले वह 2014 में अमेठी से चुनाव लड़ी हर का सामना करना पड़ा और 2019 में पहली बार अमेठी से सांसद बनकर लोकसभा पहुंची लेकिन दोनों बार नामांकन के पहले रामलला याद नहीं आए और प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार लग रहा है श्री राम के भरोसे चुनाव जीतना चाहती हैं स्मृति ईरानी। 28 अप्रैल रविवार को दिन में लगभग 11 बजे श्री राम लाल के दरबार में पहुंची दर्शन पूजन कर मंदिर निर्माण कार्य को भी देखा इस दौरान अयोध्या के मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

अयोध्या पहुंचने के सभी नेता को पहले हनुमान जी के दरबार में हाजिरी लगानी पड़ती है यह कार्य लोकसभा की सांसद स्मृति ईरानी ने भी किया हनुमान जी और रामलाल के दर्शन पूजन के बाद वह श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष मणिरामदास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास महाराज से भी आशीर्वाद लेकर के अपने लोकसभा अमेठी के लिए रवाना हुई। अयोध्या में दर्शन पूजन के दौरान उन्होंने कहा कि धर्म और धैर्य निष्ठा और नियम पुरुषार्थ और पराक्रम की भूमि अयोध्या पर आने का मिला है सौभाग्य, प्रभु के चरणों में संतों के सानिध्य में विजय पताका लहराते देखना जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने कहा कि मैं अपने आप को भाग्यशाली समझता हूं जो श्री राम लाल हनुमान जी के साथ संतो के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त हुए और पुणे पुणे पथ पर चलने के लिए आत्म बल और प्रेरणा मिली। भारत के प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और भारत का वैभव और ऊंचा हो इसके लिए हनुमान जी महाराज से प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि जैसे हनुमान जी महाराज के अंदर सेवा का भाव है उनका आशीर्वाद हमारे ऊपर बना रहे कि मैं भी अपने देश की सेवा हमेशा करती रहूं। राम भक्त बहुत बड़े सौभाग्यशाली हैं कि वह श्री राम लला का भव्य मंदिर में दर्शन प्राप्त कर रहे हैं आज मुझे भी यह सौभाग्य प्राप्त हुआ मैं भी अपने आप को सौभाग्यशाली मानती हूं। श्री राम लला की करुणा मां की तरह हर भक्तों पर बह रही है।

छः स्वास्थ्य केंद्रों पर लगी दांत की एक्सरे मशीन

संवाददाता–देवरिया। जिले के छः सरकारी अस्पतालों में दांत के बेहतर इलाज के लिए डिजिटल एक्सरे मशीनें लग गई हैं। इसके चलते लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर इलाज मिलने लगा है। इससे निजी दंत चिकित्सा केंद्रों की महंगी चिकित्सा से निजात मिलने लगी है। दांत के रोगों की चिकित्सा हाल तक निजी क्लीनिकों में ही मिलती थी। वह भी अधिकांश चिकित्सक जिला मुख्यालय पर होने के चलते लोगों को मुख्यालय तक की दौड़ लगानी पड़ती थी। पर अब दांत के इलाज की सुविधा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी उपलब्ध हो गई है। जिले के छः सीएचसी पर सात चिकित्सक लोगों के दांतों का इलाज कर रहे हैं। इन केंद्रों पर डेंटल सर्जन की तैनाती के बाद अब डिजिटल एक्सरे मशीनें भी लग गई हैं। इससे दांत में रोग की सही स्थिति का पता लगाकर इलाज करना आसान हो गया है। सीएमओ की विशेष पहल से छरू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों लार, सलेमपुर, बरहज, रुद्रपुर, गौरीबाजार और भाटपार रानी में डेंटल एक्सरे मशीनों की स्थापना के साथ ही रोगियों के दांतों का एक्स रे भी शुरू हो गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लार में डिजिटल एक्सरे के साथ ही दांत के आरसीटी (रुट केनाल ट्रीटमेंट) की सुविधा शुरू हो गई है। इसी के साथ सरकारी क्षेत्र में जिले में यह सुविधा देने वाला लार पहला केंद्र बन गया है। यहां तैनात डेंटल सर्जन डॉ. रजनीश पांडेय ने बताया कि चार रोगियों की आरसीटी की जारी है। इस प्रक्रिया में रोगी का कई सिटिंग में इलाज होता है। इन्हीं के साथ तैनात डॉ. शाल्वी भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। डॉ. राजेश झाँ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि जिले के छः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डिजिटल एक्सरे मशीन लग गई है। यहां रोगियों के दांतों का परीक्षण कर इलाज किया जा रहा है। वहीं सरकारी क्षेत्र में लार सीएचसी आरसीटी की सुविधा वाला जिले का पहला केंद्र बन गया है। इससे रोगियों को निरुशुल्क और बेहतर चिकित्सा स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो गई है।

रक्तदान शिविर का आयोजन पुलिस ने किया रक्तदान

संवाददाता–श्रावस्ती। संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा की ओर से रविवार को पुलिस लाइन में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एसपी के निर्देशन में पुलिस कर्मचारियों ने रक्तदान किया। साथ ही लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान वह अवसर है जिसके माध्यम से दूसरों की जिंदगी बचाने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान जरुर करना चाहिए। इससे किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता है। बल्कि एक बार रक्त दान करने के बाद शरीर में नए व ताजा रक्त का निर्माण हो जाता है। एसपी ने कहा कि ब्लड डोनेशन को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति नहीं होनी चाहिए। यह एक सतत प्रक्रिया है जो मानक के अनुसार करने पर शरीर को किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं होता है। इस मौके पर प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार, मुख्य आरक्षी रविन्द्र कुमार यादव प्रभारी ब्लड बैंक डा. बीएन वर्मा, ब्लड काउंसलर प्रियंका शुक्ला, लैब टेक्नीशियन अमित कुमार, राजीव उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से विदेशी मेहमानों का किया स्वागत

बलरामपुर–संवाददाता। एमएलके पीजी कॉलेज समागार में जीवशास्त्र संकाय, एथियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाउंडेशन तथा कॉउन्सिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शनिवार देर शाम सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर देश विदेश से आए अतिथियों पर अमिट छाप छोड़ी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी व विधायक तुलसीपुर कैलाशनाथ शुक्ल ने कहा कि यह एक गौरवशाली क्षण है कि तराई के ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले इस महाविद्यालय से भी मुझे भी जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यह महाविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सदैव तत्पर रहा है। प्राचार्य प्रो. जेपी पांडेय ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों के रचनात्मक विकास में सहायक है। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ. देवेन्द्र कुमार चौहान ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ छात्र अर्चित शुक्ल ने मधुबन खुशबू देता है गीत प्रस्तुत कर किया जिसे खूब सराहा गया। एकल गायन में अवनीत की फेरो न नजर से नजरिया, अंशिका की बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन गीत, सौम्य के आज कल याद कुछ रहता नहीं गीत की प्रस्तुति ने सभी को मंत्र–मुग्ध कर दिया। मोहित कश्यप, अभिषेक, शताक्षी व सुलोचना के एकल नृत्य ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मणिका मिश्रा का सराहनीय योगदान रहा। इस अवसर पर एलबीएस गोण्डा के प्राचार्य प्रो. आरके पाण्डेय, गायत्री विद्यापीठ रिसिया के प्राचार्य डॉ. दिव्य दर्शन तिवारी, डॉ. देवेश श्रीवास्तव, डॉ. आलोक शुक्ल, डॉ. सदगुरु प्रकाश, डॉ. अभिषेक सिंह व डॉ. आशीष लाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

शार्ट सर्किट से आधा दर्जन रिहायशी झोपड़ी जल कर राख

संवाददाता–देवरिया। बनकटा थाना क्षेत्र के रुस्तम बहियारी में शार्ट सर्किट से आग लगने से आधा आधा दर्जन रिहायशी झोपड़ी व उसमें रखा सामान जल कर राख हो गया। आग बुझाते समय दो ग्रामीण झुलस गए। घटना रविवार की सुबह करीब दस बजे के आसपास की है।

बनकटा थाना क्षेत्र के रुस्तम बहियारी में रविवार की सुबह शार्ट सर्किट से आग लग गई। इस घटना में करीब आधा दर्जन से अधिक रिहायशी झोपड़ी व उसमें रखा सामान जल कर राख हो गया। आग बुझाते समय कमलेश (25) व उनके पिता कौशल झुलस गए। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों व अग्निशमन दल के प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका।

हाथियों ने बाइक सवार को दौड़ाया, एफएस टीम वाहन के सामने रहे डटे

संवाददाता–बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग से होकर गुजरने वाली सड़कों पर हाथियों की आमद थम नहीं रही है। शनिवार की रात बिछिया– सुजौली मांग पर हाथियों का झुंड पहुंच गया। बाइक से गुजर रहे युवक को हाथियों ने दौड़ा लिया। तभी फ्लाइंग स्क्वायड की टीम भी पहुंच गई। हाथियों के आक्रामक रवैए को देखकर दोनों ओर वाहनों का आवगमन रुक गया। लगभग आधा घंटे बाद चिंघाड़ते हुए हाथियों का झुंड जंगल में चला गया। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के कतर्नियाघाट रेंज के जंगल के सड़कों व आबादी में इन दिनों जंगली हाथियों का मूवमेंट काफी बढ़ गया है। शनिवार की रात 10 बजे के करीब हाथियों का झुंड जंगल से निकलकर बिछिया–सुजौली मार्ग पर आ गया। हाथियों का झुंड करीब आठ घंटे तक सड़क पर डटा रहा। इस बीच लोकसभा चुनाव में निगरानी को लगी फ्लाइंग स्क्वॉयड की टीम समेत दर्जनों वाहन हाथियों के सड़क से हटने के इंतजार में दूर खड़े हॉर्न बजाते रहे। तभी बर्दिया निवासी राजेश पुत्र दशरथ चफरिया से अपने घर लौट रहा था, जिसे हाथियों ने दौड़ा लिया। बाइक की रफ्तार बढ़ाकर किसी तरह से जान बचाकर भागने में युवक सफल रहा। हाथियों के सड़क पर निकलने की सूचना लोगों ने वन विभाग को दी।

मौके पर पहुचे वन दरोगा राधेश्याम व वन रक्षक अकील अहमद ने जैसे–तैसे हाथियों को जंगल में भगाया। हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए वन कर्मियों ने लोगों को सतर्कता के साथ सड़क से गुजरने की सलाह दे रहे हैं। डीएफओ बी शिवशंकर ने बताया कि हाथी प्रभावित क्षेत्रों में विभागीय टीम को निगरानी के लिए लगाया गया है, ताकि हमले व हादसों से लोगों को बचाया जा सके।

सड़क हादसों में किशोर सहित छह की थमी सांसें

संवाददाता–बहराइच। एआरटीओ व यातायात पुलिस की लापरवाही से सड़क दुर्घटनाओं में मौतों का सिलसिला रुक नहीं रहा है। पांच थानों के विभिन्न स्थानों पर हुए सड़क हादसों में किशोर सहित छह लोगों की जान चली गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाशें परिजनों को सौंप दिया है। खैरीघाट थाने के दीवानपुरवा गांव निवासी 13 वर्षीय मुकेश मिश्रा पुत्र बृजेश रविवार दोपहर बहन के वरिच्छा को हरदी थाने के मोअज्जमपुर को बोलेरो से परिजनों के साथ जा रहा था। हरदी थाने के कंधई लाल पंडितपुरवा के पास मुकेश वाहन से उतर हाईवे पर खड़ा हुआ। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन उसे टक्कर मारते हुए चालक वाहन सहित भाग गया। जिससे किशोर की मौत हो गई। लखनऊ– बहराइच हाईवे पर फखरपुर थाने के अरई पुलिया के पास बुधवार की शाम अनियंत्रित कार चालक ने गजाधरपुर मंदिर के पुजारी टेंडवा अल्पी मिश्र निवासी बाबा रामदास को टक्कर मार दी थी। हादसे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घायल को सीएचसी फखरपुर में भर्ती कराया गया था। जहां से हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया था। रविवार सुबह जिला अस्पताल में घायल की मौत हो गई। मृतिहा कोतवाली के अमृतपुर पुरैना कांटा निवासी 25 वर्षीय रूदल राजभर पुत्र श्याम बहादुर, उसका चचेरा भाई 24 वर्षीय पवन कुमार राजभर पुत्र सुभाष शनिवार रात बाइक से रिश्तेदारी में जा रहे थे। जैसे ही बाइक सेमरी मलमला के पास पहुंची। तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक आगे जा रही बेलगाड़ी से जा भिड़ी। जिससे इस हादसे में बाइक सवार दोनों घायलों को आनन– फानन में एंबुलेंस से मोतीपुर सीएचसी लाए जाने पर चिकित्सकों ने रूदल को परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पवन को इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

गोंडा जिले के कौडिया थाने के पकड़ी मारूडीहा निवासी 75 वर्षीय शंकर गौतम पुत्र दर्शन गौतम विशेश्वरगंज थाने के कंछर गांव में शनिवार शाम को गैस सिलेंडर भरवाने बाइक से आए थे। वाहन की टक्कर से हादसे में वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस की सूचना पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे। देहात कोतवाली के नवोदय विद्यालय के पास तीन दिनों पूर्व वाहन की टक्कर से युवक घायल हो गया था। उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। शनिवार आधीरात में उसकी मौत हो गई। बलरामपुर जिले के गौरा चौराहा थाने के रत्नापुर विजयनगर निवासी 50 वर्षीय ओम प्रकाश पुत्र राम समुझ शनिवार शाम पैदल घर जा रहा था। रत्नापुर के पास वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे चिकित्सकों ने बलरामपुर अस्पताल से बहराइच जिला अस्पताल रेफर कर दिया था, जहां उसकी मौत हो गई। हरदी थाने के एलिहा गांव निवासी 70 वर्षीय राम अचल पुत्र बाबादीन शनिवार रात अपने घर के सामने बैठे थे। इसी दौरान कोई तेज रफ्तार वाहन उन्हें टक्कर मार चालक वाहन सहित भाग गया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। एंबुलेंस पायलट सदाम, ईएमटी अखिलेश पाल ने सूचना मिलते ही आनन–फानन में पहुंच घायल को जिला अस्पताल पहुंचाकर भर्ती कराया। पुलिस ने मृतकों का पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों को सौप दिया है। एक शव की पहचान न होने पर मर्चुयरी में रखवाया गया है।

जच्चा–बच्चा मौत मामले में अस्पताल संचालक व कथित डाक्टर गए जेल

संवाददाता–गोण्डा। क्षेत्र के गौरा चौकी मसकनवा रोड पर स्थित यशोदा अस्पताल में जच्चा–बच्चा मौत मामले में अस्पताल संचालक व आपरेशन करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपी बस्ती जिले के निवासी हैं। मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए दोनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। बीते 25 अप्रैल को गौरा चौकी स्थित यशोदा हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान एक जच्चा–बच्चा की मौत हो गई थी। इस मामले में 26 अप्रैल को बिजहरिया केशव नगर ग्रन्ट पश्चिमी थाना खोड़ारे के रविन्द्र शर्मा ने थाना पुलिस को तहरीर देते हुए आरोप लगाया गया कि उसकी गर्भवती पत्नी को प्रसव पीड़ा हो रही थी। उसे इलाज के लिए यशोदा हास्पिटल गौरा चौकी ले गया था। जहां पर यशोदा हास्पिटल के संचालक के पास मेजर ओटी का लाइसेन्स न होने के बावजूद एडमिट कर लिया गया तथा चिकित्सक के पास मेजर ऑपरेशन की कोई डिग्री न होने के पर भी ऑपरेशन शुरू किया गया। प्रसव के दौरान पीड़िता की हालत बिगड़ने पर ऑपरेशन पूरा करने से पहले ही टांके लगाकर मरणासन्न अवस्था में बस्ती के लिए रेफर कर दिया गया। इस दौरान अत्याधिक रक्तस्राव होने के कारण उसकी पत्नी व गर्भस्थ शिशु दोनों की मृत्यु हो गयी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई। रविवार को खोड़ारे पुलिस द्वारा जांच के दौरान दोषी पाए गए अस्पताल संचालक राजेश पाण्डेय, केदारनाथ पांडे (कथित डॉक्टर) को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी मनोज पाठक ने बताया कि पीड़ित के तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या व 34 राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अधिनियम 2019 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में अन्य बिन्दुओं की जांच की जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी राजेश पांडे पुत्र स्वर्गीय राम यतन पांडे निवासी वार्ड नंबर 5 चंद्रशेखर आजाद नगर बभनान थाना गौर जनपद बस्ती और ऑपरेशन करने वाला डाक्टर केदारनाथ पांडे पुत्र महेंद्र प्रताप पांडे निवासी ग्राम नेदुला थाना परसरामपुर जनपद बस्ती के रहने वाले हैं।

भूमि विवाद में हमलावरों ने चटकाई लाठियां, पांच घायल

संवाददाता–बहराइच। गेहूं की कटी फसल की दंवाई करा रहे किसानों पर रविवार सुबह हमलावरों ने ताबड़तोड़ लाठियां भांजी, जिससे भगदड़ मच गई। हमलावरों ने किशोरी सहित चार को मारकर घायल कर दिया। घायलों को आनन– फानन में जिला अस्पताल लाया गया है। दो घायलों के सिर में गंभीर चोटें आई हैं। रामगांव थाने के मुकेरिया गांव में रविवार सुबह 55 वर्षीय मोतीलाल पुत्र बधाई, उनके भाई 45 वर्षीय शत्रोहन, 30 वर्षीय हरिद्वार पुत्र मोतीलाल, 17 वर्षीय विनीता पुत्री परशुराम खेत से कटकर आई गेहूं की फसल की दंवाई करा रहे थे। रविवार सुबह लगभग नौ बजे अचानक इसी गांव के लव कुश सहित आधा दर्जन हमलावरों ने लाठी डंडों से लैस होकर अचानक हमला कर ताबड़तोड़ लाठियां भांजी। इस हमले में मोतीलाल, हरिद्वार के सिर में गंभीर चोटें आईं। हमले में विनीता व शत्रुहन भी घायल हो गए। किसी ने इसकी सूचना थाने पर दी। थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा भारी पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पुलिस की भनक पाकर हमलावर फरार हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बिना लाइसेंस मदिरा रखने वाले होटल प्रबंधक पर मुकदमा

संवाददाता–बलरामपुर। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। आबकारी विभाग लगातार छापेमारी कर अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगा रहा है। शनिवार देर रात नगर स्थित एक होटल में अवैध ढंग से शराब बिक्री को लेकर छापेमारी की गई। इस दौरान होटल संचालक को बिना लाइसेंस के मदिरा रखने एवं लोगों को शराब पिलाते पकड़ा गया। होटल प्रबंधक के खिलाफ आबकारी विभाग ने एफआईआर दर्ज कराई है। डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव के दौरान अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने के निर्देश आबकारी विभाग को दिए गए हैं। 27 अप्रैल की रात डीएम को सूचना मिली कि होटल, रेस्टोरेंट व ढाबों में नियम विरुद्ध मदिरा रखने व लोगों को पिलाने का कार्य किया जा रहा है।

महिलाओं व बेटियों को मिलेगी सुरक्षा तो लोकतंत्र होगा मजबूत

संवाददाता–बलरामपुर। देश में खुशहाली लाने के लिए महिलाओं का सम्मान किया जाना जरुरी है। रोजगार के साथ–साथ सरकार को सुरक्षा की गारण्टी देनी होगी। महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देकर देश में खुशहाली लाई जा सकती है। जिले में महिला चिकित्सकों का अकाल है। खुशहाल देश में लोकतंत्र का मजबूत होना जरुरी है। यह तभी संभव है जब बेटियों की सुरक्षा व शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। महिलाओं के हाथ में रोजगार हो तो वे किसी की मोहताज नहीं रहेंगी। यह कहना है समाजसेवी एवं संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं का। समाजसेवी महिलाओं ने चौपाल में लोकसभा चुनाव को लेकर अपने विचार रखे। समाजसेवी महिलाओं का मानना है कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने का सबसे बड़ा हथियार शिक्षा व रोजगार है। स्वरोजगारी महिलाएं अधिक जागरूक होती हैं। उन्हें अपने मत के कीमत की जानकारी होती है। उन्हें यह भी पता होता है कि लोकतंत्र में मतदान का क्या महत्व है। समाजसेवी महिलाओं ने मिलने वाली सुविधाओं को नाकाफी बताया। संजना बोली कि महिला चिकित्सकों की कमी सबसे बड़ी बाधा है। जिले की स्थिति है कि पुरुष चिकित्सक महिलाओं का प्रसव कराते हैं। महिला चिकित्सकों के तैनाती का सार्थक प्रयास किया जाना आवश्यक है। मीनाक्षी ने कहा कि सबसे बड़ा सवाल महिलाओं की सुरक्षा का है। छात्र जीवन से लेकर मां बनने तक महिलाओं के साथ घर की दहलीज पार करते ही उत्पीड़न शुरु हो जाता है। आज बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। बेटी के जन्म पर माता–पिता को खुशियां मनानी चाहिए लेकिन सुरक्षा का सवाल आते ही वे चिंतित हो जाते हैं। श्यामा देवी बोलीं कि समाज का माहौल ऐसा होना चाहिए कि महिलाएं बेखौफ होकर घर से बाहर निकल सकें। आते–जाते उन्हें किसी का भय न रहे। नौकरी पेशा महिलाओं ने अपने सांसद की खूबियां भी गिनाईं। कहा कि तमाम प्रत्याशी जीतकर चले जाते हैं, उन्हें महिलाओं के सम्मान का कोई ख्याल नहीं रहता। वे महिलाओं को रोजगार से जोड़ने का कोई प्रयास नहीं करते। ऐसे लोग वोट पाने के हकदार नहीं हो सकते। समाजसेवी महिलाएं बोलीं कि घर से बाहर निकलने पर सुरक्षा की चिंता लगी रहती है। राह चलती महिलाओं को नजरों से घूरने की आदत लोगों में होती है। महिलाएं थाने में शिकायत करती हैं तो पुलिस उनकी समस्या को गंभीरता से नहीं लेती। महिलाओं की समस्याओं का त्वरित निस्तारण होना चाहिए। जगह–जगह सीसीटीवी कैमरे लगाने होंगे जिससे महिलाओं की सुरक्षा की निगरानी हो सके। समाजसेवी महिलाओं का कहना है कि उनके कार्य में तमाम प्रकार की बाधाएं आती हैं। यदि गांव स्तर पर किसी योजना का प्रचार प्रसार किया जाए तो अशिक्षित महिलाएं उसे समझ नहीं पाती। जागरुकता अभियान के बावजूद आज भी संस्थागत प्रसव की दर शत प्रतिशत नहीं है। महिलाएं गर्भावस्था में अपने स्वास्थ्य का समुचित देखभाल नहीं कर पाती। सांसद ऐसा हो जो जागरुक महिलाओं की टीम बनाकर गांव स्तर पर समाज हित में काम कर सके।

मार्ग दुर्घटना में पूर्व प्रधान की मौत, युवक घायल

संवाददाता–बलरामपुर। तेज स्पीड बढ़ा दी और स्कॉर्पियो लेकर भाग निकला। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने पीछे से आ रही स्कार्पियो को रोका और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

चिकित्सक ने पूर्व प्रधान संतराम को मृत घोषित कर दिया। कृष्णा को गंभीर चोटें आई है। चिकित्सक ने उन्हें इलाज के लिए संयुक्त जिला चिकित्सालय रेफर किया है। उतरौला कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने बताया कि दुर्घटना करने वाले स्कॉर्पियो की तलाश की जा रही है। उसका नंबर मिल गया है। शीघ्र ही चालक को गिरफ्तार कर गाड़ी कब्जे में ली जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। पूर्व प्रधान की मौत से तेंदुआ तकिया गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके घर वालों का रो–रो कर बुरा हाल है।

दुकान पर चाय पीने जा रहे पूर्व प्रधान एक अन्य युवक को तेज रफ्तार स्कार्पियो ने पीछे से ठोकर मार दी। पूर्व प्रधान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप के घायल युवक को संयुक्त जिला चिकित्सालय रेफर किया गया। दुर्घटना स्थानीय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बलरामपुर मार्ग स्थित तेंदुआ तकिया तिराहा के निकट रविवार सुबह छह बजे हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

तेंदुआ तकिया के पूर्व प्रधान 65 वर्षीय संतराम पुत्र बदलू गांव के ही 28 वर्षीय कृष्णा पुत्र नंदलाल के साथ रविवार सुबह पैदल चलकर चुंगी नाका के निकट दुकान पर चाय पीने जा रहे थे। तिराहा से चुंगी नाका की ओर मुड़ते ही उतरौला की ओर जा रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने उन्हें ठोकर मार दी। दोनों सड़क पर गिरकर छटपटाने लगे। चालक

डीजीपी कोटे से दरोगा, स्पेशल कोटे से डाक्टर, ठगने वाला हरियाणा से गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। डीजीपी के कोटे से दरोगा की नौकरी दिलाने के साथ ही स्पेशल कोटे से एमबीबीएस में दाखिला कराकर डॉक्टर बनाने वाले आरपीएफ से रिटायर्ड एक दरोगा के जालसाज बेटे को एम्स थाने की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गोरखपुर के सैनिक बिहार नंदानगर का रहने वाला भास्वर नामक यह जालसाज तीन लोगों को अपना शिकार बनाकर 50 लाख से ज्यादा की ठगी कर गुरुग्राम हरियाणा में छिपा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसएसपी ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। ठगी के शिकार तीनों लोग कहीं न कहीं से रिश्ते में हैं। जालसाज ने पहले एक व्यक्ति को जाल में फंसाया और बाकी अन्य एक–दूसरे से चर्चा कर खुद ही उसके जाल में फंस गए। प्रभारी एसएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कूटरचित दस्तावेज तैयार कर पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने, एमबीबीएस में दाखिला कराने, मॉडल शाप का ठेका दिलाने व नर्सिंग में एडमिशन कराने के नाम पर जालसाजी करने के आरोपित एम्स थाना क्षेत्र के सैनिक बिहार नंदानगर निवासी भास्वर शर्मा उर्फ बिट्टू पुत्र वीरेन्द्र प्रताप शर्मा को हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। उसके ऊपर धोखाधड़ी कर गबन करने के आरोप में दो मुकदमा दर्ज है जिसमें वह फरार चल रहा था। भास्वर की गिरफ्तारी के लिए 25,000 हजार रुपये का घोषित किया गया था। एसपी सिटी ने बताया कि भास्वर के पिता आरपीएफ से रिटायर दरोगा वीरेन्द्र प्रताप शर्मा और पत्नी विभा भी मुकदमे में आरोपित हैं। उनकी भूमिका की जांच कर उनके खिलाफ भी एनबीडब्ल्यू जारी कराया जाएगा। पूरे गिरोह पर गैंगस्टर की कार्रवाई की जाएगी।

देवरिया जिले के तरकुलवा बसंतपुर निवासी अजय वर्मा से उसने बेटी का नर्सिंग कालेज में एडमिशन कराने और अजय वर्मा को मॉडल शॉप का लाइसेंस दिलाने के नाम पर भास्वर शर्मा ने 9.80 लाख रुपये की जालसाजी की है। देवरिया, तरकुलवा के बसंतपुर के रहने वाले अवधेश जायसवाल को डीजीपी कोटे से दरोगा बनाने के नाम पर भास्वर ने 11 लाख रुपये रुपये की ठगी की। कुशीनगर जिले के ग्राम व पोस्ट सिकय नंदलाल वर्मा से उनके दोनों बेटों को डॉक्टर और सब इंस्पेक्टर के रूप में सेटल करने के नाम पर भास्वर ने 30 लाख रुपये ले लिए। भास्वर के पिता आरपीएफ से रिटायर दरोगा हैं। भास्वर द्वारा बनाये गए मकान की कीमत करोड़ों में है। उसने बेईमानी से अकूत सम्पत्ति अर्जित की है।

गेहूं का डंठल जलाने से कटरैन के तीन मकान जले

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा क्षेत्र के मठिया गांव में गेहूं के डंठल की आग से रविवार दोपहर कटरैन के तीन मकान जल गए। ग्रामीणों का कहना है कि आग से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड को फोन किया लेकिन रिसीव नहीं हुआ। काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका।

तेन्दुआ खुर्द गांव के पास कोई डंठल जला रहा था। तेज हवा के चलते आग ने विकराल रूप ले लिया और बढ़ते मठिया गांव के पास पहुंच गई। इससे मठिया निवासी रामाज्ञा, परमंश व उमेश का आवासीय कटरैन में रखा गेहूं आदि जलकर राख हो गया। राहुल का खाली मुर्गी फॉर्म, बृजेश गुप्ता के सब्जी के खेत में आग लग गई। लोगों ने घरों से पशुओं को बाहर कर दिया था लेकिन सामान नहीं निकाल पाए। इससे लाखों रुपये का सामान जल गया। तहसील लेखपाल राजकुमार जयसवाल व प्रधान प्रतिनिधि जयराम यादव मौके पर पहुंचकर नुकसान का निरीक्षण किया।

एक नई आशा के लिए 75 लोगों ने किया रक्तदान

संवाददाता–गोरखपुर। एक नई आशा के तत्वाधान में रविवार को गीता वाटिका रोड पर स्थित अंबेश्वरी लॉन में रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 75 लोगों ने रक्तदान किया। इसमें पांच युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद पहली बार रक्तदान किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख अधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ठाकुर, प्रो गोविंद पांडेय एवं डॉ सौरभ सिन्हा की उपस्थिति रही। डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, डॉ. राजेंद्र कुमार ठाकुर और प्रो गोविंद पाण्डेय ने रक्तदान के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन संस्था के सचिव रोहित रामायका ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित कर किया। कार्यक्रम में जिला अस्पताल रक्तकोष प्रभारी डॉ. जयप्रकाश सिंह, डॉ नम्रता, गीता यादव, राकेश मिश्र, संस्था के संस्थापक आशीष छापड़िया, सीमा छापड़िया, उषा मस्करा, अरविंद अग्रवाल, तन्वी अग्रवाल, राजेश छापड़िया, संतोष जालान, प्रकाश मस्करा, सुबोध जालान, मुकुल जालान, विकास अग्रवाल, स्वाति अग्रवाल, पवन चौधरी, श्वेता तुलस्यान, दिनेश अग्रवाल, आशा अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, संजय जालान आदि की उपस्थिति रही।

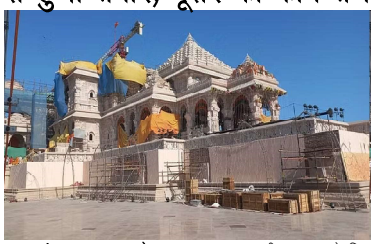

राममंदिर का प्रथम तल पूरी तरह से हुआ तैयार, दूसरे का काम तेज

संवाददाता–अयोध्या। राममंदिर के प्रथम तल का काम पूरा हो चुका है। जबकि दूसरे तल का काम भी प्रारंभ हो चुका है। मंदिर को दिसंबर 2024 तक तैयार करने का लक्ष्य है। कार्य की गति बढ़ाने के लिए मजदूरों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। नवंबर के अंत तक मंदिर के दूसरे तल का काम भी पूरा करने का लक्ष्य है। राममंदिर के प्रथम तल व दूसरे तल का काम साथ–साथ चल रहा था। प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही राममंदिर के प्रथम तल की छत और फर्श बन गई थी। अब फिनिशिंग का काम भी पूरा हो गया है जबकि दूसरे तल के स्तंभों को जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। प्रथम तल व भूतल के शेष 70 स्तंभों पर मूर्तियां उकेरने का काम भी तेज कर दिया गया है। मूर्ति कारीगरों की संख्या बढ़ाकर 60 कर दी गई है। अभी तक 40 कारीगर मूर्तियां उकेर रहे थे। दूसरी तरफ प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना के लिए महापीठ का निर्माण शुरू कर दिया गया है। महापीठ वह स्थान है जहां राम दरबार यानि राम, सीता, लक्ष्मण व हनुमान जी की मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। राममंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि परकोटा में बनने वाले छह मंदिर व सप्तमंडपम की डिजाइन राममंदिर के आर्किटेक्ट आशीष सोमपुरा तैयार कर रहे हैं। ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि राममंदिर निर्माण के साथ अन्य प्रकल्पों पर भी काम चल रहा है। कुबेर टीला पर जाने के लिए अभी 40 फिट चौड़ी सड़क का निर्माण हो रहा है। कुबेर टीला के सुंदरीकरण का काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी यहां श्रद्धालुओं के जाने पर रोक है। बताया कि सभी जरूरी व्यवस्थाएं व सुरक्षा प्रबंधों के बाद ही श्रद्धालु कुबेर टीला पर जा सकेंगे। इसके लिए पास की व्यवस्था की जाएगी।

अधिवक्ता को फर्जी केस में फंसाने की दी धमकी, मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। कैंट क्षेत्र स्थित दीवानी कचहरी के एक अधिवक्ता को महिला ने फर्जी दुष्कर्म केस में फंसाने की धमकी दी। अधिवक्ता की तहरीर पर केस दर्ज कर कैंट पुलिस मामले की जांच कर रही है। अधिवक्ता श्याम सुंदर पांडेय ने दी तहरीर में लिखा है कि 2 अप्रैल की दोपहर तीन बजे के करीब घोषीपुरवा निवासी शारदा देवी उनके तख्ते पर आई और अपने मकान का वरासत संबंधी कागजात नगर निगम से निकलवाने के लिए निवेदन किया। अधिवक्ता ने उस से 500 रुपये बतौर शुल्क देने को कहा तो महिला 500 रुपये देकर चली गई। अधिवक्ता ने उसके काम के लिए प्रयास करना शुरू कर दिया। अचानक 18 अप्रैल को लगभग 5 बजे शाम को वह पुनः मेरे तख्ते पर आई और 2000 रुपये मांगने लगी। जब अधिवक्ता ने कहा कि तुम्हारा काम हो रहा है और तुमने हमें 500 रुपये दिया था। तब वह प्रार्थी को पैसा न देने पर रेप व छेड़खानी के फर्जी मुकदमे में फंसा कर जेल भेज देने की धमकी देने लगी। अधिवक्ता को गाली देने लगी गाली देने से मना करने पर उसने मेज पर रखी कई फइलों को फाड़ दिया तथा बैग से निकाल कर कई कागजात लेकर भाग गई।

सड़क पर युवक का हाईवोल्टेज–ड्रामा

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के पादरी बाजार इलाके में रविवार को एक युवक गले में हंसिया गलाकर सड़क पर लेट गया। करीब 2 घंटे तक चले हाईवोल्टेज ड्रामे के दौरान पिपराइच मार्ग पर लंबा जाम लग गया। बाद में पहुंची शाहपुर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से युवक को सड़क से हटाया, तब जाकर जाम खुल सका।

लगन के मौसम में भी आभूषण के खरीदार हुए आधे, व्यवसायी परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सोना का दाम लगातार बढ़ता ही जा रहा है। 74 हजार के पार पहुंचने से लगन के सीजन में खरीदार आधे हो कर रह गए हैं। सोनारों के सामने बिक्री कम होने से क्रेडिट पर लाए गए जेवरातों के भुगतान का संकट खड़ा हो गया है। समय से भुगतान नहीं होने पर उन्हें दोबारा उधार नहीं मिल सकेगा। लगन के दिनों में सोनारों की दुकानें खरीदारों से हाउस फुल रहती थीं लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इसके पीछे जिले में शादियों का न होना नहीं बल्कि सोना का दाम आसमान छूना है। सोने का दाम लगातार बढ़ रहा है। शनिवार को 74 हजार के पार था। दाम अधिक होने से खरीदार कम हो गए हैं। जिनके घरों में पहले के जेवर रखे हैं उसी को साफ कराकर शादी में बेटी व बहु को दे दे रहे हैं। महंगाई की वजह से नए जेवरातों की खरीद करने की उनके हिम्मत नहीं हो पा रही है। बाजार की हालत यह है कि सोनारों की दुकानों पर कम ही ग्राहक आ रहे हैं। ज्यादातर वक्त सन्नाटा में गुजर जा रहा है। जेवरों की बिक्री कम होने से सोनारों के सामने सबसे बड़ा संकट क्रेडिट पर लाए गए जेवरातों के भुगतान का है। उन्हें थोक विक्रेता एक हफ्ते से दस दिन के ही अधिकतम समय के लिए क्रेडिट देता है। इसके भीतर उन्हें भुगतान करना होता है। समय से भुगतान न कर पाने पर भविष्य में क्रेडिट पर मिल पाना मुश्किल हो जाता है। सोना का दाम आसमान छूने से लोग भारी जेवर नहीं खरीद रहे हैं। जितना हल्का हो उसे ही खरीद कर काम चला रहे हैं। जो लोग पूर्व में पांच ग्राम तक के जेवर खरीद रहे थे वह सोनारों की दुकान पर पहुंच कर दो ग्राम वजन वाला ही मांग रहे हैं इससे सोनार भी भारी जेवरातों के बजाए हल्के बनाकर बेच रहे हैं।

सोना का दाम अधिक होने से ग्राहक रूठ गए हैं। ग्राहकों के रूठने से सोनारों की बिक्री भले ही कम हो गई है लेकिन लगातार बढ़ते रेट से उनकी पूंजी बढ़ गई है। जिन सोनारों ने दस ग्राम सोना 60 या उससे भी कम में पूर्व खरीद रखा था उनकी पूंजी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। भीमचंद कसौधन, स्वर्ण व्यवसायी ने कहा कि सोना का दाम लगातार बढ़ने का असर ग्राहकों पर पड़ा है। शादी का सीजन चल रहा है लेकिन ग्राहक कम ही आ रहे हैं। अगर खरीदार आ भी रहे हैं तो वह हल्के जेवरों की मांग कर रहे हैं। मुश्किल इस बात की है कि जो आभूषण क्रेडिट पर लाए गए हैं उनका समय से भुगतान नहीं होने पर भविष्य में उधार मिलना मुश्किल हो जाएगा।

रामलला दर्शन का सुनहरा मौका, श्रद्धालुओं की संख्या कम होने से गिरे फ्लाइट के दाम

संवाददाता–अयोध्या। गर्मी की छुट्टी में रामनगरी वासियों के लिए हवाई यात्रा भी बेहद आसान और किफायती होने वाली है। सभी विमान कंपनियों ने यहां से उड़ान भरने वाली हर फ्लाइट की बुकिंग सस्ती कर दी है। यही नहीं दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता से आने वाले विमानों का किराया भी कम किया गया है। इसके चलते उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों का आवागमन बढ़ सकता है। आमतौर पर अयोध्या से मुंबई की फ्लाइट करीब 8000 रुपये में बुक होती है, लेकिन सात मई से इसी का फ्लाइट का किराया 5235 रुपये कर दिया गया है और ये ऑफर एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ–साथ इंडिगो व स्पाइसजेट में भी मिल रहा है। वहीं मुंबई से रामनगरी वाली फ्लाइट 5698 रुपये में बुक हो रही है। इसी तरह दिल्ली से अयोध्या की फ्लाइट आठ मई को 3300 रुपये में और अयोध्या से दिल्ली वाली चार मई को 3220 रुपये में बुक हो रही है। 13 मई को हैदराबाद की बुकिंग 5465 रुपये में, कोलकाता और चेन्नई के लिए 5999 रुपये में फ्लाइट बुकिंग चल रही है। ऐसे में रामनगरी के लोग ट्रेनों में धक्के खाने की बजाय विमान से आरामदायक यात्रा का लाभ उठा रहे हैं।

विनोद कुमार, निदेशक एयरपोर्ट ने कहा कि फ्लाइट की बुकिंग सस्ती होने के चलते यहां एक से दो हजार यात्रियों के बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। मौजूदा समय में रामनगरी के महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 1500 से 2000 तक यात्री प्रतिदिन आवागमन करते हैं। लेकिन गर्मी की छुट्टियों के ऑफर को देखते हुए यात्रियों की संख्या इतनी ही और बढ़ सकती है। देश के हर प्रमुख शहर को आने और जाने वाली फ्लाइट का किराया विमान कंपनियों की ओर से दो से ढाई हजार तक कम कर दिया गया है। ऐसे में ऑनलाइन माध्यम से सैकड़ों लोग यहां आने के लिए और रामनगरी वासी छुट्टियां मनाने अलग–अलग शहरों में जाने के लिए बुकिंग करा रहे हैं। विमान कंपनियों की ओर से बुकिंग पर दिए जा रहे ऑफर का लोग लाभ उठा रहे हैं। उम्मीद है कि इस बार आने वाले दिनों में तीन से चार हजार यात्री प्रतिदिन आवागमन करेंगे। रामनगरी में तेजी से घट रही श्रद्धालुओं की संख्या का असर कारोबार पर भी पड़ा है। दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। चटख धूप व तेज गर्मी के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आई है। ऐसे में गेस्ट हाउस व होम स्टे संचालकों ने किराया भी घटा दिया है। होम स्टे में जो कमरे 10 दिन तक पहले तक तीन हजार तक में मिलते थे वे अब एक से डेढ़ हजार में मिल रहे हैं।

होम स्टे संचालक सत्येंद्र पांडेय ने बताया कि रामनवमी के बाद से बुकिंग बहुत कम हो रही है। फरवरी व मार्च में कमरे भरे रहते थे। कमरों के बिजली व सफाई का खर्च निकलता रहे इसलिए हजार से डेढ़ हजार तक में भी कमरों की बुकिंग की जा रही है। पहले तीन हजार से 3500 तक किराया मिल जाता था। सुधाकर ने बताया कि श्रद्धालुओं की संख्या बहुत तेजी से घट गई है। तीन–चार दिनों से एक भी कमरे बुक नहीं हुए हैं। बताया कि पहले ढाई से तीन हजार तक में कमरे बुक हो जाते थे, अब हजार रुपये में भी कमरे बुक कर दे रहे हैं। यही हाल गेस्ट हाउस संचालकों का भी है। गेस्ट हाउस संचालक नवमीलाल ने बताया कि अभी भीड़ बहुत कम आ रही है।

इसलिए कमरों का रेट भी गिर गया है। तीन से चार हजार में बुक होने वाले कमरे डेढ़ से दो हजार में बुक हो रहे हैं। गर्मी की छुट्टियों में एक बार फिर अयोध्या में भीड़ बढ़ने की संभावना है। गर्मी की छुट्टियां मनाने बड़ी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु अयोध्या आ सकते हैं। ट्रैवल एजेंसी संचालक पंकज ने बताया कि बहुत से फोन कॉल आ रहे हैं, जो मई व जून में अयोध्या व आस–पास के तीर्थस्थलों में भ्रमण के लिए एडवांस गाड़ी बुकिंग करा रहे हैं। ऐसे में अगले दो महीने अयोध्या में फिर भीड़ बढ़ सकती है।

दिल्ली और बंगलूरू के लिए अकासा की हवाई सेवा आज से

संवाददाता–गोरखपुर। अकासा एयर गोरखपुर एयरपोर्ट से जम्मू, गोवा और हैदराबाद के लिए भी बहुत जल्द हवाई सेवा शुरू कर सकती है। इसके लिए एयरपोर्ट अथारिटी को प्रस्ताव भी दिया गया है, जिस पर सहमति का इंतजार है। उधर, अकासा गोरखपुर से दिल्ली और बंगलूरू के लिए 29 मई से हवाई सेवा शुरू कर रहा है। एयर लाइन ने इसके लिए टिकटों की बुकिंग शुरू कर दी है। अकासा एयर दो शहरों के लिए 29 मई से हवाई सेवा शुरू कर रहा है। गोरखपुर से विमान 2:45 बजे उड़ान भरेगा और चार बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरेगा। इसी तरह दिल्ली से यह विमान शाम 4:55 बजे उड़ान भरकर गोरखपुर एयरपोर्ट पर 6:45 बजे उतरेगा। इसी तरह दूसरा विमान बंगलूरू से सुबह 11:15 बजे उड़ान भरकर 2:05 बजे गोरखपुर एयरपोर्ट पर उतरेगा। वही विमान शाम 7:20 बजे गोरखपुर से उड़ान भरकर रात 9:55 बजे बंगलूरू एयरपोर्ट पर उतरेगा। टूर प्लानर ने बताया कि अकासा का टिकट अभी अन्य एयर लाइन के फेयर से सस्ता है। गोरखपुर से बंगलूरू जाने के लिए टिकट 8100 रुपये में बुक हो रहा है। जबकि इंडिगो एयर लाइन का टिकट नौ हजार से अधिक है। इसी तरह गोरखपुर से दिल्ली जाने के लिए 5100 में टिकट बुक हो रहे हैं। वहीं, अन्य एयर लाइन के टिकट छह हजार में बुक हो रहे हैं। वाराणसी और अयोध्या से हवाई टिकट और भी सस्ते हैं। वर्तमान में वाराणसी से दिल्ली जाने के लिए 3900–4000 रुपये में टिकटों की बुकिंग हो रही है। इसी तरह अयोध्या से दिल्ली जाने के लिए मात्र 3200 रुपये में टिकट बुक हो रहे हैं। टूर प्लानर निर्माण रॉय ने बताया कि अकासा गोरखपुर से कई और हवाई सेवा शुरू करने वाला है। यहां से हवाई सेवा बढ़ेगी तो यात्रियों को फायदा मिलेगा। टिकट की कीमत भी कम हो जाएगी।

दो दिन से लापता शटरिंग कारीगर आम के बागीचे में मिला शव

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के मुड़िला चौराहे के पास रविवार को अनियंत्रित होकर एक बाइक पेड़ से टकरा गई। इसमें बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उसका बाजार थाना क्षेत्र के परसा बुजुर्ग गांव निवासी जैसू की बेटी की शादी चार दिन पूर्व चिल्हिया थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव में हुई। परिजन रविवार को चौथ लेकर बेटी के ससुराल जा रहे थे। इसमें गांव निवासी उमेश यादव (27) पुत्र टीलू यादव व बलराम (30) पुत्र रघुनाथ भी एक ही बाइक से सुबह नौ बजे से घर से निकले। अभी यह लोग चिल्हिया थाना क्षेत्र के मुड़िला चौराहे के पास पहुंचे ही थे कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पेड़ से टकरा गई। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इनके साथ गांव के अन्य लोग भी अपनी बाइक से जा रहे थे। घटना के बाद साथ जा रहे गांव के लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर दोनों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। एसओ चिल्हिया अमित कुमार का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दो दिन से लापता शटरिंग कारीगर का आम के बागीचे में मिला शव

संवाददाता–गोरखपुर। शाहपुर के लाला बाजार चौराहे के समीप आम के बागीचे में रविवार की सुबह एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवक की पहचान शटरिंग कारीगर 32 वर्षीय रामू कुमार के रूप में हुई। पता चला कि वह दो दिन से घर से लापता था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसकी पहचान होने पर घरवालों को सूचना दी और शव को पीएम के लिए भेजवाया। पिपराइच क्षेत्र के महराजी गांव रामू कुमार के छोटे भाई श्याम सुंदर ने पुलिस को बताया कि रामू कुमार शटरिंग का काम करता था। एक सप्ताह से कुछ डिप्रेशन में चल रहा था। घर से दो दिनों से लापता था। कुछ लोगों के मुताबिक वह शराब पीने का आदी था। मृतक चार भाइयों में सबसे बड़ा था। युवक की पत्नी श्रीजावती से गत दो वर्षों से किसी बात को लेकर अनबन रहती थी इसलिए उसकी पत्नी अपने तीन बच्चों को लेकर महराजगंज के नटवा जंगल स्थित मायके में रहती थी। चार भाइयों में विनोद और सूरज पेंटिंग का काम करते हैं जबकि मृतक रामू कुमार और छोटा भाई श्याम सुंदर साथ में शटरिंग का काम करते थे। पिता केदार भारती व मां जियुती देवी का रो रोकर बुरा हाल था।

युवक ने जान बुझकर पीया तेजाब, मौत

संवाददाता–बस्ती। रविवार को युवक ने घर में कहासुनी होने बाद तेजाब पी लिया। जिसके बाद उसे खून की उल्टियां होने लगी। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल पहुंचे।

जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के बभनगांवा मोहल्ले का है।

जमीनी विवाद में मारपीट,नौ नामजद समेत 34 पर मुकदमा

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र में जमीन कारोबारी आपस में भिड़ गए। विवाद इतना बढ़ गया कि मारपीट हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों से नौ नामजद समेत 34 के खिलाफ बलवा, गाली गलौज, मारपीट, जबरन वसूली आदि धाराओं में केस दर्ज किया है। मारपीट में सरैया के पूर्व प्रधान खड़ग बहादुर यादव व उसका भाई भी शामिल हैं।

क्षेत्र के सरैया बाजार ओला रसूलपुर निवासी मनीष निषाद का आरोप है कि वह छोटा–मोटा जमीन का काम कर अपना तथा अपने परिवार का भरण पोषण करता है। गांव के ही रहने वाला खड़ग बहादुर यादव काफी दबंग किस्म का व्यक्ति है तथा उनके विरुद्ध कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। वह जमीन के काम के एवज में रंगदारी मांगता है। 22 अप्रैल की शाम 6रू30 बजे मनीष निषाद और संदीप निषाद दोनों अपने जमीन पर थे तभी पूर्व प्रधान खड़बहादुर यादव, उसका भाई जयहिंद यादव, अनिल यादव, मनीष यादव, तेजबहादुर यादव, विक्रमादित्य यादव व पिन्टू यादव जो अजीत यादव के मौसी का लड़का है।

सभी लोग एक साथ असलहा व ईंट लेकर आ गए तथा खड़कबहादुर यादव ने देखते ही असलहा सटाकर गाली देने लगा। विरोध करने पर सभी लात घूंसे से मारने लगे और वह जमीन पर गिर गया। इसपर जयहिन्द यादव ने सिर पर ईंट से हमला कर दिया। बचाने के लिए संदीप निषाद आया तो उसे भी मारे–पीटे और असलहे से फायर करते हुए धमकी देकर चले गए।

वहीं दूसरे पक्ष के खड़ग बहादुर यादव का आरोप है कि गांव के मनीष व संदीप अपने जमीन संबंधी विवाद को निपटने के लिए बुलाए थे। इसके पूर्व विक्रमादित्य को भी बुलाए थे और उसके साथ मारपीट भी किए थे। वह थोड़ा देर से पहुंचा तो उसके भाई व बेटे को टारगेट कर गाली गुप्ता देने लगे। मना करने पर मारने पीटने लगे। इसके बाद 20–25 अज्ञात लोगों के साथ दौड़ा लिए। गुलरिहा पुलिस लिखित तहरीर पर दोनोंपक्ष के नौ नामजद समेत 34 के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

फर्जी वीजा देकर विदेश भेजने और रुपए हड़पने का आरोप

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा क्षेत्र के एक गांव के युवक ने रुपये लेकर फर्जी वीजा पर विदेश भेज दिया। वहां विदेश में बंधक बनाकर उसे दूसरे काम पर लगा दिया। युवक खाने के लिए मोहताज हुआ तो घरवालों को सूचना दी। युवक के पिता की तहरीर पर गुलरिहा पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गुलरिहा क्षेत्र के बनगई टोला मदरहवा निवासी शमीद शेख ने गुलरिहा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वकील अली निवासी मझगांवा थाना खजनी व संतोष सिंह निवासी गल्फ ट्रेनिंग सेंटर सिंघड़िया थाना कैंट ने मेरे बेटे शफीक को दुबई में पेंट पालिश का काम करवाने के लिए एक लाख रुपये लेकर फर्जी वीजा देकर 23 अप्रैल को दुबई भेज दिया। शफीक जब दुबई पहुंचा तो वहां बंधक बनाकर मजदूरी करवाने लगे और खाना भी नहीं दे रहे है।

शादी में मायके आई महिला की करंट लगने से मौत

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र के सीधेगौर स्थित मायके शादी में आई विवाहिता मीरा यादव (35) की रविवार को करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद शादी के घर में मातम पसर गया। सीधेगौर नई बस्ती निवासी तूफानी यादव ने बताया कि रविवार को उनके घर लड़की की शादी थी। उनकी पुत्री मीरा पति जसवंत यादव निवासी बेलवा दाखिली शादी में शामिल होने आई थी। घर में माड़ौ सजाया गया था। उसमें लाइट लगाई गई थी। रविवार की दोपहर में हम लोग घर के बाहर बैठे थे तभी घर के अंदर से आवाज आयी। जाकर देखा तो मेरी पुत्री मीरा कटरैन से चिपकी थी। कटरैन में करंट आ गया था। लाइट काटकर मीरा को लेकर सीएचसी बड़हलगंज पहुंचा। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवारीजनों का रो–रो कर बुरा हाल था।

हार्ट अटैक से 80 साल के श्रद्धालु की मौत, देहरादून से परिवार के साथ अयोध्या आए थे

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में एक 80 साल के श्रद्धालु की हार्टअटैक से मौत हो गई। वह अपने परिवार के साथ देहरादून से यहां रामलला के दर्शन करने आये थे। हनुमानगढ़ी में दर्शन के दौरान अचानक से उनके सीने में तेज दर्द उठा।

रामजन्मभूमि के थानाध्यक्ष देवेंद्र पांडे ने उन्हें तत्काल श्री राम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। दोपहर में ढेड़ बजे हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए पहुंचे थे।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com